संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 316
पृष्ठ 8
गुरूवार
07 अगस्त 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- क्या आप जानते हैं राखी बांधते...

विचार- नशे में समाज या समाज में नशा...

खेल- चयनकर्ताओं के सामने अब एशिया...

मुख्यमंत्री योगी ने बरेली में 2264 करोड़ रुपये की 545 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कर बोले-

सपा सरकार के दौरान सरकारी नौकरियों की बंटरबांट

- 12 हजार बेटियों को मौका मिला, जनप्रतिनिधि करें सम्मान
- अच्छी सरकार विकास समृद्धि लेकर आती है- योगी

बरेली, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को बरेली में कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश के युवाओं के सामने पहचान का संकट था। सरकारी नौकरियों पर डकैती डाली जाती थी। कहीं चाचा वसूली के लिए निकलते थे, कहीं बबुआ...। कहीं भतीजा तो कहीं भाई वसूली करता था। हमारी सरकार ने पिछले आठ साल में साढ़े आठ लाख युवाओं को पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरी दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बरेली कॉलेज के मैदान में 2264 करोड़ रुपये की 545 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। कार्यक्रम में रोजगार मेले के माध्यम से 100 से ज्यादा कंपनियों के लिए चयनित 6000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति

पत्र दिए गए। इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सपा सरकार के दौरान सरकारी नौकरियों की बंटरबांट होती थी। सरकारी नौकरियों के लिए वसूली करने वाले रिश्तों को देखकर हर कोई असमंजस में रहता था। लोग कहते थे कि महाभारत में ही यह रिश्ते देखे थे। नौजवानों की नौकरी पर भी यह रिश्ते कैसे लूट मचाए हुए हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना का लाभ लेने के लिए युवाओं को प्रेरित किया। कहा कि इस योजना में युवाओं को उद्यम के चयन और प्रशिक्षण के साथ पांच लाख रुपये तक गारंटी मुक्त और ब्याज मुक्त ऋण मिलता है। समय से भुगतान करने पर 7.5 लाख रुपये और फिर 10 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले युवाओं के लिए योजनाएं ही नहीं बनती थी। अब डबल इंजन की सरकार में युवाओं के लिए योजनाओं और अवसर की कोई कमी नहीं है।

सीएम योगी ने कहा कि इन दिनों प्रदेश में 60 हजार से अधिक पुलिसकर्मी ट्रेनिंग ले रहे हैं। इनमें 12 हजार से अधिक बेटियां शामिल हैं। जनप्रतिनिधियों से आग्रह है कि ट्रेनिंग ले रहे पुलिसकर्मियों के परिजनों को सार्वजनिक रूप से सम्मानित करें। ताकि अभिभावकों को लगे कि उनका बेटा–बेटी सही राह पर चल निकला है और समाज में प्रेरणा का संचार हो। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश में सरकारी नौकरी केवल परिवार विशेष के लिए नहीं है। अब युवाओं को बिना भेदभाव के अवसर मिल रहे हैं।

अडानी के खिलाफ जांच से ट्रंप की धमकियों से बच रहे हैं मोदी : राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि अमेरिका में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चहेते उद्योगपति अडानी के खिलाफ जांच चल रही है इसलिए श्री मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिल रही धमकियों का जवाब नहीं दे पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्री ट्रंप की बार–बार की

धमकियों पर श्री मोदी की चुप्पी अमेरिका, अडानी और रूस के बीच वित्तीय संबंधों का खुलासा भी करता है। उनका कहना था कि यही वजह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के सामने श्री मोदी खड़े नहीं हो पा रहे हैं। श्री गांधी सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "भारत, कृपया समझे। प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रपति ट्रम्प की बार–बार की धमकियों के बावजूद, उनके सामने खड़े नहीं हो पा रहे हैं, इसका कारण अडानी के खिलाफ चल रही अमेरिकी जांच है।"

देवनानी ने की मेघवाल से मुलाकात

नयी दिल्ली/जयपुर, 06 अगस्त (वार्ता) राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को केंद्रीय कानून एवं संस्कृति मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से मुलाकात की। श्री देवनानी ने श्री मेघवाल से नई दिल्ली स्थित उनके कार्यालय में यह मुलाकात की जो उनकी शिष्टाचार भेंट थी। इस दौरान दोनों के बीच राजस्थान के विकास, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और विधायी कार्यप्रणाली में नवाचार के संबंध में विचार–विमर्श हुआ। श्री देवनानी ने राजस्थान विधानसभा में चल रहे नवाचारों, डिजिटलीकरण तथा युवा पीढ़ी को लोकतंत्र से जोड़ने के प्रयासों की जानकारी भी दी। श्री मेघवाल ने राजस्थान विधानसभा की गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने में विधायिका की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

पहले पहनाई माला, फिर जड़ दिया थप्पड़

रायबरेली में स्वामी प्रसाद मौर्य का एक शख्स ने ऐसे किया स्वागत

रायबरेली, संवाददाता। अपना समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य पर रायबरेली में उस समय हमला हुआ जब एक व्यक्ति ने उन्हें माला पहनाने के बाद पीछे से थप्पड़ मार दिया। यह घटना एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान हुई, जहाँ आरोपी व्यक्ति स्वामी प्रसाद के पास पहुँचा और फिर अचानक उन्हें थप्पड़ मार दिया। घटना के बाद, मौर्य के समर्थकों ने उस व्यक्ति को पकड़ लिया और उसकी पिटाई करने के बाद उसे रायबरेली पुलिस के हवाले कर दिया। उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री और अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य रायबरेली के सिविल लाइंस पहुँचे थे। दौरे के दौरान, समर्थकों ने उनका मालाओं से स्वागत किया, तभी एक अज्ञात व्यक्ति ने उन पर हमला करने की कोशिश की और पीछे से उनके सिर पर थप्पड़ मारा। मौर्य के सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत हस्तक्षेप किया और उपद्रवियों की पिटाई कर दी। इस घटना से मौके पर अफरा–तफरी मच गई। हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए, स्वामी प्रसाद मौर्य ने राज्य सरकार पर निशाना साधा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रशासन पर अराजकता को बढ़ावा देने और ष्ठाकुरोंष व गुंडों को खुली छूट देने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि करणी सेना के सदस्यों का इस हमले के पीछे हाथ है और दावा किया कि यह घटना पुलिस की मौजूदगी में हुई, जिससे कानून–व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। हंगामे के बीच, मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाया। हालाँकि, उन्होंने अभी तक हमलावरों की पहचान की पुष्टि नहीं की है। स्वामी प्रसाद मौर्य पर हमले की कोशिश तब से एक व्यापक रूप से चर्चित घटना बन गई है।

धर्म परम सत्य है, इसके पालन से लोगों को साहस, दृढ़ संकल्प प्राप्त करने में मदद मिलती है : भागवत

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि धर्म परम सत्य है तथा जिम्मेदारी के साथ इस मार्ग पर चलने से समाज को शांतिपूर्ण बनाए रखने में मदद मिलेगी। यहां धर्म जागरण न्यास के कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर भागवत ने कहा कि धर्म का पालन और उसके प्रति

प्रतिबद्ध रहने से लोगों को संकट के समय कोई रास्ता निकालने का साहस और दृढ़ संकल्प प्राप्त करने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा, ''यदि धर्म के प्रति आपकी प्रतिबद्धता दृढ़ है, तो आप कभी हिम्मत नहीं हारेंगे। सभी ने 'छावा' (छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित) फिल्म देखी है। केवल बड़े नाम ही नहीं, बल्कि आम लोगों ने भी धर्म के प्रति प्रतिबद्ध रहने के लिए अपना बलिदान दिया है।'' भागवत ने कहा कि यह समाज की जिम्मेदारी है कि वह सुनिश्चित करे कि लोग धर्म के मार्ग से विचलित न हों। उन्होंने कहा, ''दुनिया को ऐसे धर्म की आवश्यकता है जो हिंदू धर्म की तरह विविधताओं को समाहित करे। धर्म हमें अपनापन सिखाता है और विविधताओं को स्वीकार करने की अनुमति देता है।

मोहाली फेज 9 में हुई भीषण विस्फोट, दो लोगों की मौत और कई घायल

मोहाली, एजेंसी। पंजाब के मोहाली शहर में बुधवार को एक ऑक्सीजन प्लांट में हुए भीषण विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। फेज 9 औद्योगिक क्षेत्र स्थित प्लांट में विस्फोट हुआ। मोहाली डीसी के अनुसार, सूचना मिलते ही चिकित्सा दल, पुलिस और जिला प्रशासन के कर्मचारी तुरंत घटनास्थल पर पहुँचे और बिना किसी देरी के बचाव कार्य शुरू किया। ऑक्सीजन सिलेंडर निर्माण प्लांट में हुए विस्फोट के बारे में डीएसपी हरसिमरन सिंह बल ने कहा, इस प्लांट में विस्फोट हुआ, जिसमें दो लोग – आसिफ और देवेंद्र – हताहत हुए... यह सुबह 9 बजे हुआ और हम समय पर पहुँच गए। विस्फोट के पीछे के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है और अधिकारी फिलहाल घटनास्थल पर बचाव

और राहत कार्य कर रहे हैं। एसडीएम दमनदीप कौर ने कहा, हमें आज सुबह ऑक्सीजन सिलेंडर फटने की सूचना मिली। घटनास्थल पर पहुँचने पर पता चला कि दो लोगों की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हो गए हैं। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। विस्फोट बेहद शक्तिशाली था, एक सिलेंडर फट गया, जिससे एक श्रृंखलाबद्ध प्रतिक्रिया शुरू हो गई जिससे आस–पास के सिलेंडर भी फट गए। दो लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। आगे की जाँच जारी है। घायलों को इलाज के लिए मोहाली के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने कहा कि तीनों गंभीर रूप से घायल हैं और उनकी स्थिति पर कड़ी नज़र रखी जा रही है। विस्फोट का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है और आगे की जाँच जारी है।

बिहार मतदाता सूची से गायब 65 लाख लोगों के विवरण शनिवार तक दें चुनाव आयोग : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को चुनाव आयोग से कहा कि वह विशेष पुनरीक्षण के दौरान बिहार मतदाता सूची से हटाये गए 65 लाख लोगों (मृत और स्थायी पलायन करने वाले) का विवरण शनिवार तक दे। न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति उज्ज्ल भुयान और न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ ने याचिकाकर्ता एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण की गुहार पर यह निर्देश दिया। पीठ ने

निर्वाचन आयोग के वकील से कहा, "शनिवार तक जवाब दाखिल करें और श्री भूषण को इसे देखने दें। फिर हम देख पाएंगे कि क्या खुलासा हुआ है और क्या नहीं।" पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा अपनाई गई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार हर राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों को यह जानकारी दी जाएगी। इस पर चुनाव आयोग के अधिवक्ता ने कहा कि वह प्रस्तुत करेगा कि यह जानकारी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ जानकारी साझा की गई है। अदालत ने चुनाव आयोग से कहा कि वह अपना जवाब रिकॉर्ड पर रखें। पीठ ने निर्वाचन आयोग के अधिवक्ता से कहा, "उन राजनीतिक दलों की सूची दीजिए जिन्हें यह जानकारी दी गई है। हम 12 अगस्त को मामले की सुनवाई करेंगे। तब तक अपना (निर्वाचन आयोग का) जवाब दाखिल करें।" शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता की चिंताओं पर कहा, "हम यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रभावित होने वाले प्रत्येक मतदाता को आवश्यक जानकारी मिले।"

एडीआर ने अपने आवेदन में कहा कि 25 जुलाई को निर्वाचन आयोग ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की जिसमें कहा गया था कि लगभग 65 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। श्री भूषण ने पीठ के समक्ष गुहार लगाते हुए कहा, "ड्राफ्ट मतदाता सूची में 65 लाख नामों के छूटने की बात कही गई है, लेकिन इन नामों की कोई सूची नहीं दी गई। इसमें 32 लाख लोगों के पलायन की बात कही गई, लेकिन कोई अन्य विवरण नहीं दिया गया है।" उन्होंने आगे कहा, "उन्हें (चुनाव आयोग) यह बताना चाहिए कि 65 लाख लोग कौन हैं?

लोकसभा में हिरोशिमा के पीड़ितों को दी गयी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी। जापान के हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराये जाने की बरसी पर उस भयानक त्रासदी में जान गंवाने वाले लोगों को लोकसभा में बुधवार को श्रद्धांजलि दी गयी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन शुरू होते ही जापान में परमाणु बम गिराये जाने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा आज जापान के हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराये जाने के अस्सी वर्ष पूर्ण हो गये हैं।

प्रधानमंत्री ने कर्तव्य भवन का उद्घाटन किया

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत यहां केन्द्रीय सचिवालय भवनों में से एक कर्तव्य भवन–3 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उनके साथ केन्द्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल भी थे। इस दौरान श्री मोदी ने कर्तव्य भवन का दौरा किया और यहां बनायी गयी सभी सुविधाओं का निरीक्षण भी किया। यह भवन आधुनिक, कुशल और नागरिक–केंद्रित शासन के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के प्रति

सरकार की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। कर्तव्य भवन–3 सेंट्रल विस्टा परियोजना का एक हिस्सा है। यह कई 'कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट' भवनों में से पहला है जिसका उद्देश्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना और चुस्त शासन को सक्षम बनाना है। यह परियोजना सरकार के व्यापक प्रशासनिक सुधार एजेंडे का प्रतीक है। यह भवन मंत्रालयों को एक साथ लाकर और अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचे को अपनाकर, कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट अंतर–मंत्रालयी समन्वय में सुधार करेगा, नीति कार्यान्वयन में तेजी लाएगा और एक जवाबदेह प्रशासनिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देगा। अभी कई प्रमुख मंत्रालय 1950 और 1970 के दशक के बीच निर्मित शास्त्री भवन, कृषि भवन, उद्योग भवन और निर्माण भवन जैसी पुरानी इमारतों से काम कर रहे हैं जो अब संरचनात्मक रूप से पुरानी और अक्षम हो चुकी हैं। नई इमारतों में मरम्मत और रखरखाव की लागत कम होगी, उत्पादकता बढ़ेगी, कर्मचारियों की सुविधाओं में सुधार होगा। कर्तव्य भवन–3 को दिल्ली भर में फैले विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को एक साथ लाकर दक्षता, नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

उत्तरकाशी पहुंचे धामी ने आपदा नियंत्रण कक्ष से की राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार सुबह उत्तरकाशी स्थित आपदा नियंत्रण कक्ष से राहत एवं बचाव कार्यों की गहन समीक्षा की। उत्तरकाशी जनपद के धराली क्षेत्र में आयी भीषण प्राकृतिक आपदा के दृष्टिगत श्री धामी ने प्रदेश के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों एवं सेना के प्रतिनिधियों से स्थिति की वस्तुनिष्ठ जानकारी प्राप्त की और उन्हें राहत कार्यों को तीव्र गति से आगे बढ़ाने के निर्देश दिये। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में राहत एवं बचाव तथा चिकित्सा शिविर की स्थापना कर दी गई है तथा प्रभावितों के लिए भोजन एवं आवश्यक सामग्री की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि

राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर प्रारम्भ कर दिए गये हैं। भारतीय वायुसेना के चिनूक व एमआई–17 हेलीकॉप्टर पूरी तरह से तैयार स्थिति में हैं, ताकि आवश्यकतानुसार शीघ्रतम कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार राहत कार्यों को प्राथमिकता देते हुए प्रत्येक प्रभावित नागरिक तक सहायता पहुंचाने हेतु कटिबद्ध है। दूसरी ओर, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के बचाव दल दिल्ली से और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की अत्याधुनिक उपकरणों से लैस अतिरिक्त टीम आज सुबह आपदा स्थल पर पहुंच गयी हैं और बचाव कार्य में जुट गई हैं।

दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे आठ बांग्लादेशियों समेत 22 विदेशियों को पकड़ा गया

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने जुलाई में यहां द्वारका उपनगर में आठ बांग्लादेशियों समेत 22 विदेशी नागरिकों को पकड़कर स्वदेश वापसी के लिए भेज दिया है।

एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। जिन विदेशियों को पकड़ा गया है उनमें बांग्लादेशी नागरिकों के अलावा, नाइजीरिया के आठ, आइवरी कोस्ट के तीन, लाइबेरिया के दो और सेनेगल का एक नागरिक है।

7 साल बाद 31 अगस्त को चीन जाएंगे पीएम मोदी, एससीओ की बैठक में होंगे शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 अगस्त से 1 सितंबर तक तियानजिन शहर में आयोजित होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के क्षेत्रीय शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन का दौरा करेंगे। 2020 में गलवान घाटी में हुई

झड़प के बाद यह उनकी पहली चीन यात्रा होगी। उन्होंने पिछली बार 2019 में चीन का दौरा किया था।एससीओ सदस्य देशों के साथ चर्चा में क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद और व्यापार जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। भारत–चीन संबंधों में स्थिरता और संवाद बहाल करने के प्रयास किए जाएँगे। शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अनौपचारिक मुलाकात की संभावना है। इससे पहले, अक्टूबर 2024 में, प्रधानमंत्री मोदी और शी जिनपिंग कज़ान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में मिले थे। इसके बाद, दोनों देशों के बीच सीमा तनाव कम करने के प्रयासों में तेज़ी आई।

गंगा-यमुना अभी भी खतरे के निशान से ऊपर

प्रयागराज। गंगा–यमुना का जलस्तर घट रहा है, लेकिन रफ्तार बेहद धीमी है। 24 घंटे से गंगा–यमुना का जलस्तर लगातार घट रहा है। फिर भी दोनों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है। प्रयागराज में गंगा–यमुना के खतरे का निशान 84.

73 है। पिछले 24 घंटे में जलस्तर घटने पर गौर करें तो तस्वीर साफ होती है। फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 35 सेमी, छतनाग में 49 सेमी कम हुआ। इसी अवधि में नैनी में यमुना का जलस्तर 65 सेमी घटा। प्रयागराज में गंगा–यमुना के खतरनाक जलस्तर 84.73 मीटर है। बुधवार सुबह आठ बजे फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 85.74 मीटर. छतनाग 84.87 मीटर रहा। नैनी में यमुना का जलस्तर 85.31 मीटर दर्ज किया गया।

बाढ़ से जनमानस की रक्षा के लिए अखंड शिव पाठ

प्रयागराज। गंगा और यमुना की मिलन स्थली प्रयागराज इस वक्त बाढ़ के संकट से जूझ रहा है। हालात गंभीर हैं लेकिन इसके बावजूद आस्था डगमगाई नहीं है। बाढ़ की भयावहता को शांत करने और जनमानस की रक्षा के लिए कैलाश धाम झूंसी में अखंड शिव पाठ का आयोजन चल रहा है। संत, श्रद्धालु और स्थानीय निवासी मिलकर भगवान शिव से यह प्रार्थना कर रहे हैं कि गंगा अपने विकराल रूप से पुनः शांत रूप में लौट जाएं। अखंड पाठ में बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और बच्चे भाग ले रहे हैं। हर कोई दीप जलाकर, हाथ जोड़कर और सिर झुकाकर एक ही अरदास कर रहा है–हे भोलेनाथ, यह आपदा अब और न बढ़े, जन–धन की हानि रुके, जीवन की गाड़ी फिर पटरी पर लौटे।

बाढ़ से हुए बेघर तो मंदिर में बसाई अस्थाई बस्ती

प्रयागराज। द्रौपदी घाट स्थित राम गोपाल मंदिर में आजकल घनी आबादी वाली बस्तियों की तरह चहल–पहल है। मंदिर के प्रांगण में पॉलीथीन से झोपड़ियां बनाई गई हैं। झोपड़ियों में 15 परिवार रह रहे हैं। मंदिर परिसर की झोपड़ियों में रहने वाले बाढ़ पीड़ित हैं। गंगा का बढ़ा पानी द्रौपदी घाट के निचले इलाकों में

घुसने लगा तो डेढ़ दर्जन परिवार अपना घर छोड़कर मंदिर में चले आए। यहां आराम से रहने के साथ सड़क पर अपने मवेशियों की भी देखभाल कर रहे हैं। 18 जुलाई से अस्थाई बसेरे में रहने वाले परिवारों को बाढ़ पीड़ितों की तरह भोजन और अन्य सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। सभी परिवार झोपड़ियों में सामान्य दिनों की तरह रह रहे हैं। इन्हें भी बाढ़ राहत शिविर में जाने के लिए कहा गया, लेकिन कोई तैयार नहीं हुआ। सुधा ने बताया कि मंदिर में कोई बंदिश नहीं है। घर की तरह यहां आजाद रहते हैं। शिविर में रहते तो बाढ़ का पानी घटते ही घर जाने के लिए दबाव बनाया जाता। मंदिर परिसर में जबतक चाहें रह सकते हैं। मंदिर में रह रही बाढ़ पीड़ित भारती ने बताया कि जब–जब बाढ़ आई तब–तब इसी मंदिर में शरण ली, लेकिन सरकारी राहत सिर्फ एकबार मिली। 2013 की बाढ़ में पूर्व एमएलसी निर्मला पासवान ने राहत सामग्री बंटवाई थी। तब प्रतिदिन दोनों वक्त खाने का पैकेट मिलता था। रेखा मौर्या ने कहा कि 12 साल पहले बाढ़ का कहर समाप्त होने के बाद घर लौटे तो अनाज की किट दी गई थी। 2013 के बाद सरकारी मदद नहीं मिली। द्रौपदी घाट के ही एक बाढ़ पीड़ित परिवार पीसीडीए पेंशन कॉलोनी के गेट के सामने रह रहा है। सभी ने एकसुर में कहा कि मंदिर में प्रशासन की ओर से कोई झांकने तक नहीं आया।

105 लोगों को मिला अपना आशियाना

प्रयागराज। प्रयागराज विकास प्राधिकरण की 12 आवासीय योजना में 105 लोगों को अपना आशियाना मिला। इंदिरा भवन के भूतल पर मंगलवार को शिविर लगाकर भवनों का आवंटन किया गया। जिन भवनों के एक से अधिक दावेदार थे, उनकी लॉटरी निकाली गई। भवनों की बिक्री से पीडीए को 39 करोड़, 25 लाख, छह हजार, 980 रुपया राजस्व के तौर पर प्राप्त हुआ। फ्लैट आवंटन के लिए 25 जून से 15 जुलाई तक आवेदन लिया गया था। भवनों के लिए कुल 148 इच्छुक आवेदकों ने पंजीकरण कराया। इस अवसर पर वरिष्ठ पर्यवेक्षक के रूप में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी आरएस वर्मा, पीडीए के वित्त नियंत्रक प्रदीप कुमार, और संपत्ति प्रभारी सूरज पटेल मौजूद रहे।

जारी होगी शिक्षकों की समायोजन सूची

प्रयागराज। परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों में शिक्षकों के जिले के अंदर स्थानान्तरण एवं समायोजन के दूसरे चरण की सूची आठ अगस्त को जारी होगी। बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव सुरेन्द्र कुमार तिवारी की ओर से सोमवार को जारी आदेश के अनुसार शिक्षकों के ऑनलाइन आवेदन का सत्यापन सभी बीएसए पांच और छह अगस्त को करेंगे। उसके बाद एनआईसी लखनऊ की ओर से विकसित सॉफ्टवेयर के माध्यम से आठ अगस्त तक स्थानान्तरण की कार्रवाई करते हुए सूची जारी की जाएगी।

जीएसटी अफसरों के साथ व्यापारियों ने की बैठक

प्रयागराज। बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए व्यापारियों ने मंगलवार को स्टेट जीएसटी के अपर आयुक्त ग्रेड वन राजेश पांडेय की अध्यक्षता में बैठक की। इसमें उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार की महिला व्यापार मंडल की जिलाध्यक्ष भावना त्रिपाठी, युवा व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष अभिषेक सक्सेना शामिल हुए।

लोगों को पता नहीं और बदल गया उनका 'पता'

प्रयागराज। शहर में मकान नंबर फिर बदल रहा है, यानि की घर का पता बदल रहा है। डेढ़ साल पहले नगर निगम की ओर से नंबर प्लेट लगाकर घरों के नंबर बदले जा रहे थे। इस बार बिना नंबर प्लेट के गृहकर की रसीद के जरिए घरों के नंबर बदले जा रहे हैं। गृहकर के बिल और नोटिस में घरों का बदला नंबर देखकर लोग हैरान हो रहे हैं। भवनस्वामियों को समझ में नहीं आ रहा है कि अब उनके दस्तावेजों में पुराना मकान नंबर मान्य होगा या नया और लोग यह सोच–सोच कर परेशान हैं कि अब उन्हें आधार, पैन, बैंक सब जगहों पर मकान नंबर बदलवाना पड़ेगा।

खास बात यह है कि नगर निगम ने शहर के विस्तारित क्षेत्र में ही व्यवस्थित रूप से बसायी गई आवासीय योजनाओं में ही भवनों का नंबर बदला है। झलवा क्षेत्र की आवास योजना के लगभग 200 घरों के नंबर बदलने का मामला सामने आया है। आवास विकास परिषद की कॉलोनी में घरों का नंबर बदलने से भवनस्वामियों में खलबली मच गई है। इसकी शिकायत नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा तक पहुंची है। नगर निगम के विस्तारित क्षेत्र की कॉलोनी में नगर निगम ने दूसरी बार गृहकर का बिल भेजा। पिछले साल तो भवनस्वामियों ने बिल पर बदले नंबर पर ध्यान नहीं दिया। इस बार मिला तो कुछ लोगों ने बदला नंबर देखा। अब कॉलोनी के सभी भवनस्वामी कह रहे हैं कि उनके घर का नंबर बिना सूचना के बदल दिया गया है। गृहकर के कई बिल में भवनस्वामी का नाम नहीं है। सिर्फ नंबर से बिल जारी किया गया है। कुछ बिलों में नाम गलत है। आवास विकास परिषद ने कॉलोनी मे भवनों के आवंटन के दौरान ही हर घर का नंबर क्रम में दिया था। अब लोगों का कहना है कि नगर निगम का नंबर ही मान्य होगा तो आधार, पैन समेत सभी दस्तावेजों में बदलाव कराना पड़ेगा, क्योंकि पुराने दस्तावेज के साथ घरों का नया नंबर मैच नहीं करेगा। नंबर बदलने को लेकर

कॉलोनीवासी भी नगर निगम क चक्कर काट रहे हैं। अधिकारी लोगों को संतोषजनक जवाब नहीं दे रहे हैं। कॉलोनीवासियों की शिकायत पर नगर निगम कार्यकारिणी के पूर्व उपाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने पिछले दिनों नगर आयुक्त से मुलाकात कर नंबर बदलने की जानकारी दी। नगर आयुक्त ने बिना औपचारिक सूचना के घरों का नंबर बदलने के बारे में पूछताछ करने का आश्वासन दिया। अखिलेश का दावा है कि इलाहाबाद पश्चिमी के विस्तारित क्षेत्र की कई कॉलोनियों का नंबर बदला गया है। जलकल के बिल में पुराना नंबर प्रयागराज। नगर निगम ने झलवा स्थित आवास विकास कॉलोनी के घरों का नंबर बदल दिया, लेकिन जलकल विभाग पुराने नंबरों पर बिल जारी कर रहा है। आवास योजना के भवनस्वामियों को पिछले साल भी पानी–सीवर का बिल घर के पुराने नंबर पर भेजा गया। चालू वित्तीय वर्ष में भी जलकल पुराने नंबर पर बिल भेजा है जबकि जलकल विभाग नगर निगम की इकाई है। पहले लगा रहे थे नंबर प्लेट प्रयागराज। नगर निगम की ओर से डेढ़ साल पहले तक घरों के सामने नंबर प्लेट लगाया जा रहा था। इस नंबर प्लेट लगाने का उद्देश्य घरों का नंबर एक क्रम में करना था। कार्यदायी एजेंसी और शासन के बीच भुगतान को लेकर विवाद के बाद घरों के सामने नंबर प्लेट लगाने का काम रोक दिया गया। नगर निगम की ओर से गृहकर के बिल में पहले वार्ड की संख्या और फिर घरों का नंबर है। लोग बोले नगर निगम के बिल में घर का नंबर बदलने के बाद असमंजस में हैं। कौन नंबर सही है, कोई बताने को तैयार नहीं, शिकायत भी कोई नहीं सुन रहा है।–रामअभिलाष चौरसिया नगर निगम के गृहकर बिल में नंबर बदला देख हैरान हो गया। घरों का नंबर पहले भी क्रम में था तो बदलने का मतलब किसी को समझ में नहीं आ रहा है।– कृष्ण चंद्रा बगैर सूचना के मकानों का नंबर बदल दिया। गृहकर के बिल से जानकारी हुई जबकि पानी–सीवर का बिल पुराने नंबर पर जारी किया गया है। अब क्या करें समझा में नहीं आ रहा है।– आलोक तिवारी नगर निगम ने घरों का नंबर बदल दिया, लेकिन समस्याओं से छुटकारा नहीं दिला पा रहा है। तेज बारिश के बाद आवास योजाना में पानी भर जाता है।– प्राची सिंह घरों का नंबर तो पहले भी क्रम में था। अब इसे बदलने का औचित्य समझ में नहीं आया। जलभराव और लाइट नहीं जलने की भी समस्या रहती है।– संदीप कौल कॉलोनी में मकानों के दो नंबर हो गए हैं। गृहकर के बिल में नंबर है मकान मालिक का नाम नहीं, पता नहीं चल पा रहा है कि कौन सा नंबर मान्य है।– देवांशु मिश्रा कॉलोनी में घरों के नंबर बदल गए, समस्याएं जस की तस हैं। नालियों की सफाई नहीं होती। बारिश में गलियों में पानी भर जाता है। लाइटें भी खराब हैं।– वीरेंद्र कुमार घर का नंबर बदल दिया, लेकिन कॉलोनी की बुनियादी सुविधा पर नगर निगम ध्यान नहीं दो रहा है। बारिश में पानी भरता है। नालियां मिट्टी से पटी हैं।–अवनींद्र कुमार मिश्रा नंबर बदल दिया पर कॉलोनी में रहने वालों की परेशानियां कम नहीं हो रही हैं। जलभराव, खराब स्ट्रीट लाइट, छुट्टा जानवर भी यहां की समस्या हैं।– सुशील कुमार जो काम नहीं होना चाहिए था, वो नगर निगम ने किया। कॉलोनी को जलभराव, आवारा जानवरों से निजात दिलाने की जरूरत है। लाइटें नहीं जल रही है।–अमरेंद्र कुमार तिवारी नंबर बदलने की शितायत की। अफसर कुछ करने की बात कहते रहे, लेकिन अभी तक तय नहीं हुआ कौन सा नंबर उपयोग में होगा। नालियों में गंदगी भरी है।– अभय कुमार रावत नंबर बदलने की सूचना पर नगर आयुक्त से बात की थी। विवाद सुलझाने का आश्वासन मिला, लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ। फिर नगर आयुक्त से मिलेंगे।–अखिलेश कुमार सिंह कॉलोनी में पहले से समस्याएं थीं। अब नंबर को लेक कॉलोनी के लोग असमंजस में हैं। बुनियादी समस्याओं पर तो किसी का ध्यान ही नहीं है।– सुधांशु पाठक बारिश में कॉलोनी की गलियां वर्षों से डूब रही हैं। लाइटें नहीं जल रही हैं। नालियों को पाट दिया गया। आवारा जानवर घूम रहे हैं। अब नंबर भी बदल दिया।– ओमप्रकाश केसरवानी शिकायतें– –बिना सूचना मकान नंबर बदल दिया गया। –अब दस्तावेजों में मकान नंबर बदलवाना पड़ेगा। –खाली प्लॉट पर गोबर का ढेर लगा है। –छुट्टा जानवर कॉलोनी में घूमते हैं। –रोड पटरी के बीच सड़क को बना दिया गड्ढा। –दो दर्जन से अधिक स्ट्रीट लाइटें महीनों से बंद। –लो वोल्टेज की समस्या बनी रहती है। सुझाव –घरों के नंबर को लेकर नगर निगम स्थिति स्पष्ट करे। –मकान नंबर बदलने के बारे में नोटिफिकेशन जारी करें। –कॉलोनी अब नगर निगम के अधीन है तो व्यवस्था सुधरे। –गोबर और खाली प्लॉटों पर भरा पानी हटाया जाए। –कॉलोनी में साफ–सफाई की व्यवस्था ठीक की जाए। –खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत होनी चाहिए। –कॉलोनी के पार्क को साफ किया जाना चाहिए।

बाढ़ में डूबा घर तो बुजुर्गों ने नाव में बनाया ठिकाना

प्रयागराज। खतरे के निशान से ऊपर चल रही गंगा और यमुना ने हजारों लोगों को बेघर कर दिया है। हालात ऐसे हैं कि कई मोहल्लों की गलियों में नाव से ही आवागमन हो रहा है। कुछ लोगों ने तो नावों को ही अपना अस्थायी घर बना लिया है। सदियापुर में बुजुर्ग दंपत्ति अमरनाथ निषाद और श्यामा देवी ऐसे मिले, जिनका घर बाढ़ में डूब चुका है। अब उन्होंने नाव पर ही अपना ठिकाना बना लिया है। पानी से घिरी गलियों में कोई साधन नहीं, इसलिए वे यहीं खाना बनाते हैं, यहीं सोते हैं और इसी पर जीवन की नाव आगे बढ़ा रहे हैं। बुजुर्ग थोड़े से नाराज भी नजर आए और अपना दर्द बताया कि हम किसी तरह से खा रहे हैं और नाव पर ही रहने को मजबूर हैं क्योंकि हमारा घर बाढ़ में डूब गया है। परिवार के दूसरे सदस्य सुरक्षित स्थान में रह रहे हैं। सदियापुर की ही एक गली में 16 परिवार परिवारों की मजबूरी यह है कि नीचे गलियों में पूरा बाढ़ का पानी भर गया है। एक परिवार हैं। इस गली में एक बुजुर्ग महिला ऐसी भी है कि जिनका एक ही फ्लोर बना है। उसमें

ऐसे मिले जो दूसरे तल पर रहने को मजबूर हैं। नीचे की मंजिलें पूरी तरह जलमग्न हैं, और बाहर आने–जाने का कोई ज़रिया नहीं बचा है। इन 16 ने लकड़ी की सीढ़ी लगाकर अपने पड़ोसी की छत से बाहर निकलने का रास्ता तैयार किया है जहां से वे जरूरत का सामान खरीदकर उसी रास्ते से लौटते भी बाढ़ का पानी घुसने के कारण बुजुर्ग महिला अब छत पर रह रही है। हालांकि बारिश के कारण ऊपर भी रहना मुश्किल है।

प्राइमरी हेड के जूनियर में समायोजन का विवाद पहुंचा कोर्ट

प्रयागराज। बेसिक शिक्षा परिषद के प्राथमिक विद्यालयों के नौ हजार से अधिक प्रधानाध्यापकों (हेडमास्टर) का समायोजन उच्च प्राथमिक विद्यालय या जूनियर हाईस्कूल में सहायक अध्यापक के पद पर करने का विवाद हाईकोर्ट पहुंच गया है। कौशाम्बी के अतुल द्विवेदी समेत तीन परिषदीय शिक्षकों ने इसे नियम विरुद्ध कार्रवाई बताते हुए इसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका की है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि जूनियर हाईस्कूल के जो पद पदोन्नति से भरे जाने थे उस पर प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों का समायोजन किए जाने से उनकी पदोन्नति का अवसर कम हो गया। याचिका करने वालों का कहना है कि यह स्थिति तब है जबकि पदोन्नति में टीईटी की अनिवार्यता मामले में सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आना अभी बाकी है।

हाईकोर्ट ने अपने कई मामलों में निर्देश दिए हैं कि प्राथमिक से उच्च प्राथमिक विद्यालय में शिक्षकों की पदोन्नति या स्थानांतरण करते समय राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की 23 अगस्त 2010, 29 जुलाई 2011 तथा 12 नवम्बर 2014 की अधिसूचनाओं को ध्यान में रखा जाए। इन अधिसूचनाओं के अनुसार प्राथमिक से उच्च प्राथमिक विद्यालय में पदोन्नति या स्थानान्तरण के लिए बीएड व बीटीसी के साथ कक्षा छह से आठ स्तर की टीईटी पास होना अनिवार्य है।

शिक्षकों के स्थानांतरण के लिए 23 मई 2025 को जारी शासनादेश में भी एनसीटीई के प्रावधानों का पालन करने का जिक्र तो था लेकिन 30 जून को जारी स्थानांतरण सूची में गाइडलाइन की पूरी तरह अनदेखी कर दी गई।

इस मामले की एक अगस्त को हुई सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने सरकार से जवाब–तलब किया है। अब इस केस की सुनवाई नौ सितंबर को होगी। पांच साल से अधिक समय से कार्यरत प्राथमिक स्कूल के सहायक अध्यापकों को उच्च प्राथमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक पद पर पदोन्नति का इंतजार है।

जान हथेली पर रखकर बाढ़ में काम कर रहे लाइनमैन

प्रयागराज। शहर में जहां गंगा–यमुना की बाढ़ ने लाखों लोगों को प्रभावित किया है वहीं बिजली विभाग के संविदा लाइनमैन जान की परवाह किए बिना अपने काम में जुटे हैं। बाढ़ में शहर के सलोरी, शुक्ला मार्केट, बेली कछार, गंगानगर, छोटा बघाड़ा क्षेत्र जैसे दर्जनों मोहल्ले पानी में डूबे हैं। ऐसे में 40 से अधिक ट्रांसफार्मर जलमग्न हो चुके हैं। मगर इस विषम स्थिति में भी लाइनमैनों का काम किसी चुनौती से कम नहीं है। तेज बारिश और कमर तक पानी के बीच संविदा लाइनमैन नाव के सहारे ट्रांसफार्मर तक पहुंच रहे हैं। वह न केवल कनेक्शन काट रहे हैं, बल्कि ट्रांसफार्मर की 'पेटी को ऊपर उठाकर सर्किट को शॉर्ट होने से भी बचा रहे हैं। लाइनमैन शिवनारायण पटेल, सुनील और विनय इस कार्य को लगातार तीन दिनों से अंजाम दे रहे हैं।

भारतीय परंपरा में मानव और प्रकृति का सहभाव जीवन के अर्थशास्त्र का मूल है: प्रो. कृष्णस्वरूप आनंदी

प्रयागराज। प्रख्यात अर्थशास्त्री एवं समाजकर्मी डॉ. कृष्ण स्वरूप आनंदी ने यूइंग क्रिश्चियन महाविद्यालय परिसर में गांधी प्रार्थना समाज और तरुण शांति सेना के संयुक्त तत्वावधान में 'जीवन के अर्थशास्त्रश पर आयोजित संगोष्ठी में बोलते हुए कहा कि प्रकृति और मनुष्य के सहभाव और उत्पादन की विकेंद्रित प्रणाली भारतीय परंपरा और जीवन दर्शन का मूल है।वर्तमान में जो श्हायर एंड फायरश की व्यवस्था और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (।ै) का बोलबाला है, वह समाज की आत्मा को पीछे छोड़ रही है। डॉ. आनंदी ने स्वदेशी उत्पादों और सामुदायिक जीवन शैली पर बल देते हुए बताया कि भारतीय जीवन और दर्शन में प्रकृति सर्वत्र विद्यमान है। उन्होंने कहा कि यदि इस युग में हमने कुछ सबसे मूल्यवान खोया है, तो वह है दृ ष्समुदाय की भावनाष्। समुदायिकता केवल मनुष्यों से नहीं बनती, बल्कि वह नदियों, पहाड़ों और जीव–जंतुओं से मिलकर एक पूर्ण पारिस्थितिकी का निर्माण करती है। डेनमार्क का उदाहरण देते हुए कहा कि पूरा विश्व यदि वहां के उपभोग स्तर को प्राप्त करने के लिए प्रयास करे तो ऐसी छः पृथ्वी चाहिए तब जाकर संसाधन पूरे होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. उमेश प्रताप सिंह ने श्जीवन के अर्थशास्त्रश को श्जीवन–दर्शन का ही अविभाज्य अंगश बताते हुए कहा कि भारतीय चिंतन में जीवन का अर्थशास्त्र पूरे

प्रकृति के अर्थशास्त्र से अलग नहीं है। प्रकृति के साथ सामंजस्य बैठकर हम प्रकृति को पूछते हुए उससे जितना लेते रहे हैं उतना ही प्रकृति को लौटाते भी रहे हैं। मानव एवं प्रकृति के मध्य के गहरे संबंधों पर प्रकाश डालते हुए प्रो सिंह ने कहा कि मनुष्य की लालच उपभोग और उत्पादन बढ़ाने की इच्छा ने विनाशकारी अर्थशास्त्र को जन्म दिया है। आज आवश्यक हो गया है कि प्रकृति का अंधाधुंध शोषण रोका जाए अन्यथा मानव समाज को विनाश से बचाना असंभव होगा। गोष्ठी का आरंभ गणित विभाग के प्राध्यापक एवं तरुण शांति सेना के निर्देशक डॉ. स्वप्निल श्रीवास्तव ने किया। उन्होंने हाल ही में उत्तराखंड के धाराड़ी गाँव में आई त्रासदी का उल्लेख करते हुए टिकाऊ विकास पर गंभीर प्रश्न खड़े किए। वृक्षों की अंधाधुंध कटाई और प्रकृति के दोहन की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि हमें आत्मचिंतन करना होगा दृ क्या हम अपने बच्चों को वह जीवन दे पाएंगे, जिसमें शुद्ध वायु और जल सहज रूप से उपलब्ध हो?

संगोष्ठी का संचालन बी ए तृतीय वर्ष की छात्रा तनुश्री द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के सम्माननीय प्राध्यापकगण उपस्थित रहे, जिनमें डॉ. सूरज गुणवंत (अंग्रेज़ी विभाग), डॉ. अरुणेय मिश्रा (संस्कृत विभाग), डॉ. कहकशां इरफ़ान (उर्दू विभाग) डॉ. पद्मभूषण प्रताप सिंह एवं डॉ. गजराज पटेल (सहायक आचार्य हिन्दी विभाग), डॉ. तनया कृष्णा(अर्थशास्त्र विभाग) तथा डॉ. जॉन कुमार (प्राचीन इतिहास विभाग) विशेष रूप से सम्मिलित थे। अंत में गांधी प्रार्थना समाज के प्रभारी डॉ सुदीप तिरकी ने मौजूद वक्ताओं, अतिथियों और छात्रों को आभार व्यक्त किया।

संगोष्ठी में 50 से अधिक विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की। श्रोताओं ने पूरी एकाग्रता और जिज्ञासा से वक्ताओं की बातों को सुना, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि आज की पीढ़ी न केवल विषयों को समझना चाहती है, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व भी महसूस करती है। यह संगोष्ठी न केवल ज्ञानवर्धक सिद्ध हुई, बल्कि इसने सभी उपस्थित जनों को अपने जीवन, समाज और प्रकृति के प्रति नई दृष्टि प्रदान की दृ एक ऐसी दृष्टि जो केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि संतुलित, सामूहिक और मानवीय विकास की ओर संकेत करती है।

जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

जबलपुर। शहर समता विचार जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी जून माह के काव्य गोष्ठी ऑनलाइन सफलतापूर्वक संपन्न। काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अध्यक्षता कर रही रचना सक्सेना, मुख्य अतिथि डा. कामना कौस्तुभ सारस्वत अतिथि आशा जाकड़ इंदौर विशिष्ट अतिथिअतिथि छाया त्रिवेदी, डा.राजलक्ष्मी शिवहरे अर्चना मलैया एवं चंद्र प्रकाश वैश्य सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति गायत्री चौबे द्वारा। काव्य गोष्ठी का संयोजन उमा मिश्रा प्रीति एवं संचालन अनीता दुबे ने किया। अतिथियों का स्वागत सिद्धेश्वरी सराफ एवं छाया सक्सेना। काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। रेखा चौधरी, आरती श्रीवास्तव मंजूषाकिंजवडकर ,राजकुमारी रैकवार, प्रभा बच्चन श्रीवास्तव रचना सक्सेना जबलपुर, रश्मि पांडे,डॉ आशा श्रीवास्तव, शशिकला सेन, अनुराधा गर्ग, डॉ मुकुल तिवारी, डा. कुमकुम शुक्ला , कुमारी चंदा देवी स्वर्णकार शैली सेठ। धन्यवाद ज्ञापन अनीता दुबे किया।

शालू ने आत्म हत्या की कोशिश की उसे न्याय नहीं मिल रहा पीड़ित के बजाय अधिकारियों पर हो मुकदमा दर्ज: मोहन प्रजापति

मुजफ्फरनगरस,भारतीय अति पिछड़ा वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन प्रजापति ने कहा हे कि जानसठ निवासी विधवा महिला शालू प्रजापति जिसे ससुराल पक्ष ने पति के मरने के बाद ना मकान दिया और ना घर दिया वहीं मारपीट का घर से बाहर निकाल दिया था जिसकी शिकायत विधवा शालू ने कई बार उच्च अधिकारियों से की लेकिन कोई कार्रवाई प्रशासनिक तौर पर नहीं की गई जिससे थकी हारी विधवा शालू प्रजापति ने सुसराल पक्ष से तंग आकर जिला अधिकारी कार्यालय पर अपने तीनों बच्चों सहित आत्मदाह करने की कोशिश की लेकिन प्रशासन ने शिकायत सुनने के बजाय उसे पर ही मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जबकि पीड़ित के बजाय अधिकारियों पर हो मुकदमा दर्ज पीड़ित पर मुकदमा दर्ज किया गया जिससे प्रजापति समाज सहित अति पिछड़ा वर्ग में रोष हे उन्होंने कहा है कि प्रशासनिक तौर पर आमजन मानस की सुनवाई नहीं हो रही है जिसकी वजह से पीड़ित लोगों को आत्महत्या जैसे घातक कदम उठाने की कोशिश करनी पड़ रही है साथ ही उन्होंने चेतावनी के साथ मांग की है कि शालू पर लगाया गया मुकदमा वापस लिया जाए ओर जिन अधिकारीयो द्वारा कार्रवाई नहीं की गई उन अधिकारियों पर भी कार्रवाई की जाए अधिकारियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई प्रशासन को करनी चाहिए वहीं अगर शालू को न्याय नहीं मिला तो बड़े स्तर पर अधिकारियों के खिलाफ आंदोलन किया जायेगा।

सीएमपी डिग्री कॉलेज में मूड कोर्ट ओरिएंटेशन सत्र का आयोजन

प्रयागराज। बी.ए.एलएल.बी (ऑनर्स), विधि विभाग, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज की 'मूट कोर्ट कमेटी' ने हाल ही में 6 अगस्त, 2025 को एक ष्मूट कोर्ट ओरिएंटेशन सत्रष का आयोजन किया। यह सत्र, संकाय के सहायक प्रोफेसर, श्री पियूष कुमारेंद्र और सुश्री निवेदिता कौण्डिन्य द्वारा संचालित किया गया। इस सत्र में यह बताया गया कि मूट कोर्ट किस प्रकार से विधि छात्रों को वास्तविक परिदृश्यों में विधिक सिद्धांतों के अनुप्रयोग को संभव बनाता है, विधिक शोध, लेखन, विश्लेषण को सुदृढ़ करता है और विधि छात्रों की मौखिक वकालत क्षमता को विकसित करता है।

इसके अलावा, इस ओरिएंटेशन में मूटिंग का भविष्य पर प्रभाव, विशेष रूप से छात्रों के करियर पहलुओं पर चर्चा की गई, जिसमें वकालत और शोध को बढ़ावा देने पर बल दिया गया। साथ ही, इसने नेटवर्किंग के अवसरों, शैक्षणिक और वास्तविक अभ्यास के बीच सेतु निर्माण पर जोर दिया तथा कॉलेज द्वारा आयोजित किए जाने वाले प्रस्तावित "इंट्रा–मूट कोर्ट" का परिचय भी दिया गया। यह पहल प्रो. अजय प्रकाश खरे, प्राचार्य, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज द्वारा निर्धारित उद्देश्यों के अनुरूप चलाई जा रही है, जिसे समिति के सदस्य श्री पियूष कुमारेंद्र,ध् श्री विनय त्रिपाठी, श्री हिमांशु उपाध्याय एवं सुश्री निवेदिता कौंडिन्य के द्वारा एवं श्रीमती रेनू सिंह, समन्वयक, बी.ए.एलएल.बी. (ऑनर्स) के मार्गदर्शन में आगे बढ़ाया जा रहा है।

देश की संस्कृति एवं भाषा पर गर्व करने वाले छात्र राष्ट्र निर्माता: न्यायमूर्ति शेखर यादव

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज में आज दिनांक 06–08–2025 को संस्कृत सप्ताह महोत्सव का शुभारम्भ माननीय न्यायमूर्ति उच्च न्यायालय श्री शेखर यादव की गरिमामयी उपस्थिति में परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में निदेशक, महर्षि भारद्वाज वेद विद्यालय डॉ. विन्ध्यवासिनी प्रसाद त्रिपाठी भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति शेखर यादव ने देश की संस्कृति , एवं भाषा के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने वाले छात्रों को सच्चा देशभक्त बताते हुए देश की बागडोर संभालने के लिए आगे बढ़कर निरन्तर प्रयासरत रहने का आह्वान किया। संस्कृत भाषा की विशिष्टता का उल्लेख करते हुए मान. न्यायमूर्ति शेखर यादव ने संस्कृत एवं संस्कार को एक दूसरे का पर्याय बताया। उन्होंने संस्कृत छात्रों के संस्कारों की सराहना करते हुए उन्हें वसुधैव कुटुम्बकम की भावना का वाहक बताया। अपने वक्तव्य में उन्होंने समस्त पृथ्वी को अपना मानकर उसकी सेवा करने की भावना संस्कृत भाषियों की पहचान होना बताया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. विन्ध्यवासिनी प्रसाद त्रिपाठी ने संस्कृत भाषा की समृद्धता से परिचय कराते हुये देववाणी के रूप में संस्कृत भाषा की स्वीकार्यता का उल्लेख किया।

असम की शान राजस्थानी रचनाकार का द्वितीय स्थापना दिवस धूमधाम से संपन्न

गोलाघाट। असम की शान राजस्थानी रचनाकार का द्वितीय स्थापना दिवस 3 अगस्त को जोरहाट में ममता गिनोडिया जी की अध्यक्षता में धूमधाम से संपन्न हुआ। हिंदी भाषा के प्रचार व प्रसार के लिए अग्रसर इसमें राज्य के 50 रचनाकारों ने भाग लिया। सर्वप्रथम मंच गठन हुआ तत्पश्चात मुख्य अतिथि प्रदीप खदरिया एवं विशिष्ट अतिथि कमल किशोर तोदी ने विशिष्ट भूमिका निभाई। अध्यक्ष ममता गिनोडिया सचिव शमा जैन सिंघल व प्रमुख संरक्षक विमला शर्मा को मंचासीन कर आसन ग्रहण कराया गया। कांति करनानी द्वारा मां शारदे की वंदना प्रस्तुत की गई। मंच का संचालन बाबूलाल सांखला व कोषाध्यक्ष जिमी मोदी द्वारा किया गया। संस्था की उपाध्यक्ष ज्योति अग्रवाल व मंचासीन गुणीजनों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुभ शुरुआत की गई। सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों का स्वागत फुलाम गामोछा से किया गया।

इस दौरान मुख्य अतिथि प्रदीप खदरिया ने सामाजिक पहलुओं पर प्रकाश डाला ,साथ ही असमिया भाषा व संस्कृति को अपनाने पर जोर दिया।विशिष्ट अतिथि कमल किशोर तोदी ने साहित्य की सही परिभाषा के बारे में विचार रखें ,उन्होंने समाज को कलम की ताकत से रूबरू कराने पर जोर दिया। घर–घर में छिपी प्रतिभा को एक मंच पर लाने का कार्य संस्थापिका ममता गिनोरिया ने बखूबी कर दिखाया। और इस वट वृक्ष की जडें भविष्य में इतनी मजबूत हो ,कि हर एक साहित्यकार इससे जुड़ना चाहे ऐसी कामना की।

इस दौरान सभी रचनाकारों ने एक से बढ़कर एक कविताओं का पाठ किया

... प्रदीप खदरिया, कमल किशोर तोदी, दीपिका सुवोटिया, विमला शर्मा ज्योति अग्रवाला, शमा जैन सिंघल, किरन बजाज ,शकुंतला अग्रवाल, रेखा बुखरेडिया, रंजना बिनानी ,सीमा सिंधी,अरुण काबरा, डॉ महेश मुनका शांति मालपानी , कांति करनानी,सुशीला मालू, ललित शर्मा, बजरंग लाल अग्रवाल, पिंकी बजाज, सुनीता गाड़ोदिया, प्रभु दयाल मेंघटिया, उमेश खंडेलिया,सीमा अग्रवाल,पुष्पा बुकलसरिया आदि शामिल थे।

इस अवसर पर सभी साहित्यकारों को प्रशस्ति पत्र व फूलाम गामोछा से सम्मानित किया गया। संस्थापिका ममता गिनोडया की दो पुस्तकों का विमोचन हुआ इसमेंष दिल के एहसासष ,और ष्यादों के स्वर्णिम पल ष्शामिल थी। सभी साहित्यकारो ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए भविष्य में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित होते रहे ऐसी कामना की। अंत में सचिव शमा जैन सिंघल ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए अतिथियों व सदस्यों व समाज के वरिष्ठ सम्मानित लोगों और मीडिया का आभार प्रकट किया राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

जस्टिस मालवीय- एक कानूनी विद्वान जिन्होंने गंगा के लिए आवाज उठायी

प्रयागराज। न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय जी इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश तथा काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कुलाधिपति रहे। गिरिधर मालवीय जी का जन्म 14 नवम्बर, 1936 को वाराणसी में हुआ। गिरिधर मालवीय महामना पं. मदनमोहन मालवीय जी के पौत्र तथा पं. गोविन्द मालवीय के एकलौते सुपुत्र थे। गिरिधर मालवीय की प्रारम्भिक शिक्षा वाराणसी के बेसेण्ट थियोसोफिकल स्कूल में हुई। तत्पश्चात् काशी हिंदू विश्वविद्यालय के अन्दर ही 'चिल्ड्रन्स स्कूल' से कक्षा 10 दस विज्ञान व संस्कृत से विश्वविद्यालय की एडमिशन परीक्षा में वर्ष 1952 में उत्तीर्ण होने के पश्चात् उनके पिता ने घर में पितामह व ताऊ आदि अनेक लोगों के सफल अधिवक्ता हो चुकने के कारण उन्हें विधि की शिक्षा लेकर इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वक़ालत करने की प्रेरणा दी। सन् 1957 में गिरिधर ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में एक साथ एलएल. बी. तथा एम.ए. राजनीतिशास्त्र में प्रवेश लिया। सन् 1958 में उन्होंने एलएल. बी. की परीक्षा पास की तथा 1959 में राजनीतिशास्त्र की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। सन् 1960 में वह इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एडवोकेट दर्ज़ किए गये। प्रारम्भ में अपने पिता के अस्वस्थ रहने के कारण गिरिधर जी ने एक वर्ष दिल्ली में सरदार ज्ञानसिंह वोहरा के साथ तीस हज़ारी कोर्ट में और 1961 में पिता के निधन के पश्चात् प्रयाग आकर 1965 तक प्रयाग की ज़िला कचहरी में पं. विश्वनाथ पाण्डे तथा पं. सत्यनारायण मिश्र के साथ रहकर वक़ालत की। 1965 के ग्रीष्मावकाश के पश्चात् गिरिधर जी उच्च न्यायालय आए तथा पं. नारायणदत्त ओझा, जो बाद में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश व सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश बने, के साथ उच्च न्यायालय में वक़ालत शुरू की।गिरिधर मालवीय को 14 मार्च 1988 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय का न्यायमूर्ति नियुक्त किया गया था। सेवानिवृत्ति के बाद, उन्हें विश्वविद्यालय न्यायालय द्वारा सर्वसम्मति से बनारस हिंदू विश्वविद्यालय का कुलाधिपति चुना गया। मालवीय जी 2014 के लोकसभा चुनावों में वाराणसी निर्वाचन क्षेत्र से नरेंद्र मोदी जी की उम्मीदवारी के लिए उनके प्रस्तावकों में से एक थे। मालवीय जी गंगा सफाई अभियान में सक्रिय रूप से शामिल थे। वे गंगा अधिनियम का प्रारूप तैयार करने के लिए गठित समिति के अध्यक्ष थे। वे गंगा महासभा के अध्यक्ष भी थे। पिछले वर्ष 18 नवंबर 2024 को 88 वर्ष की अवस्था में आपका निधन हो गया।

मनीष चौधरी ने युवाओं को दिया नशामुक्त जीवन अपनाने का संदेश

अमित विहार में श्री हनुमंत महाराज की दिव्य आरती में गूंजे संस्कार और सनातन संस्कृति के स्वर

मुजफ्फरनगर। अमित विहार स्थित शिव मंदिर में श्री हनुमंत महाराज की दिव्य आरती और हनुमान चालीसा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के अध्यक्ष एवं अंतर्राष्ट्रीय संत महासभा के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अपने ओजस्वी उद्बोधन में उन्होंने युवाओं से संस्कार और सनातन संस्कृति की ओर लौटने का आह्वान किया। इस दौरान क्षेत्र के पिछड़ेपन को लेकर लोगों ने उनके सामने अपनी शिकायत रखी और क्षेत्र का विकास कराने के लिए सहयोग मांगा।

कार्यक्रम में मनीष चौधरी ने कहा कि युवाओं को अपने जीवन में नैतिक मूल्यों और संस्कृति को स्थान देना होगा। यही समाज, देश और धर्म की रक्षा के साथ–साथ इनके उत्थान में भी अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को नशा मुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित किया और कहा कि युवा अगर सही दिशा में कदम बढ़ाएं, तो हर परिवर्तन संभव है। कार्यक्रम का माहौल भक्तिमय रहा, जहां भक्तों ने भजन–कीर्तन के माध्यम से श्री हनुमंत महाराज का गुणगान किया और हनुमान चालीसा का पाठ किया गया, इनमें छोटे–छोटे बच्चोंने कंठस्ट हनुमान चालीसा सुनाकर प्रभावित किया। उन्होंने बच्चों को संस्कृति और धर्म से जोड़ने के लिए ऐसे आयोजन कर पर पुजारी के प्रयास की सराहना की। यहां मुख्य अतिथि मनीष चौधरी के समक्ष मंदिर के मुख्य पुजारी संजय तिवारी और क्षेत्र के लोगों ने पिछड़ेपन और समस्याओं को रखा। मंदिर तक जाने वाले कच्चे रास्ते के निर्माण, जल निकासी पर चर्चा हुई। मनीष चौधरी ने कहा कि यह दुर्भाग्य की बात है कि प्रशासन के साथ ही जनप्रतिनिधियों ने इस क्षेत्र की समस्याओं को अनदेखा किया है। उन्होंने डीएम से क्षेत्र का निरीक्षण कराकर जनसमस्याओं का निस्तारण करने की मांग करते हुए कहा कि कच्ची गली होने के आवागमन दूभर रहता है। बारिश के दिनों में हाल ज्यादा खराब हैं। मंदिर प्रांगण में मुख्य पुजारी पंडित संजय तिवारी एवं अवध नारायण तिवारी ने विधिवत रूप से आरती का आयोजन संपन्न कराया। आयोजन के अंत में प्रसाद वितरण के साथ सभा का समापन हुआ। आयोजन में दीपक प्रजापति, नीतू कुमार प्रजापति, राजकुमार प्रिंसिपल समेत सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

21 अगस्त से 08 सितम्बर तक चौधरी चरण सिंह स्टेडियम, मुजफ्फरनगर में होगी अग्निवीर भर्ती रैली

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में अग्निवीर भर्ती की तैयारियों के सम्बन्ध मे बैठक हुई संपन्न

मुजफ्फरनगर। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा श्री उमेश मिश्रा की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार में अग्निवीर भर्ती की तैयारियों के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों एवं सेना के अधिकारियों के साथ बैठक हुई। जनपद में अग्निवीर भर्ती के तहत भारतीय सेना की ओर से 21 अगस्त से 08 सितम्बर तक रैली का आयोजन किया जाना है। यह रैली चौधरी चरण सिंह स्टेडियम, मुजफ्फरनगर में होगी। रैली में प्रदेश के 13 जनपदों के अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे। रैली में सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली, रामपुर, मुरादाबाद, बिजनौर, अमरोहा, गौतमबुद्धनगर, हापुड, गाजियाबाद, बागपत, मेरठ और बुलंदशहर के अभ्यर्थी आएंगे।

बैठक में सेना के भर्ती अधिकारी कर्नल सत्यजीत बेबले ने अधिकारियों को रैली के मद्देनजर की जाने वाली व्यवस्थाओं एवं आवश्यकताओं के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि भर्ती रैली में 17 हजार अभ्यर्थी शामिल होंगे। जनपद में प्रतिदिन लगभग 1200 अभ्यर्थी आएंगे। जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को उचित व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को पेयजल, साफ–सफाई, बेरीकेटिंग, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, लाइट, शौचालय, एम्बुलेंस एवं चिकित्सा आदि की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने बाहर से आने वाले अभ्यर्थियों के ठहरने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। परिवहन विभाग को पर्याप्त मात्रा में बसों को संचालन करने एवं अग्निशमन विभाग को रैली स्थल पर किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए समुचित व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री संजय कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट श्री पंकज प्रकाश राठौड़, पुलिस अधीक्षक अपराध श्रीमती इंदु सिद्धार्थ, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी,समस्त उपजिलाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण एवं सेना भर्ती के अधिकारी मौजूद रहे।

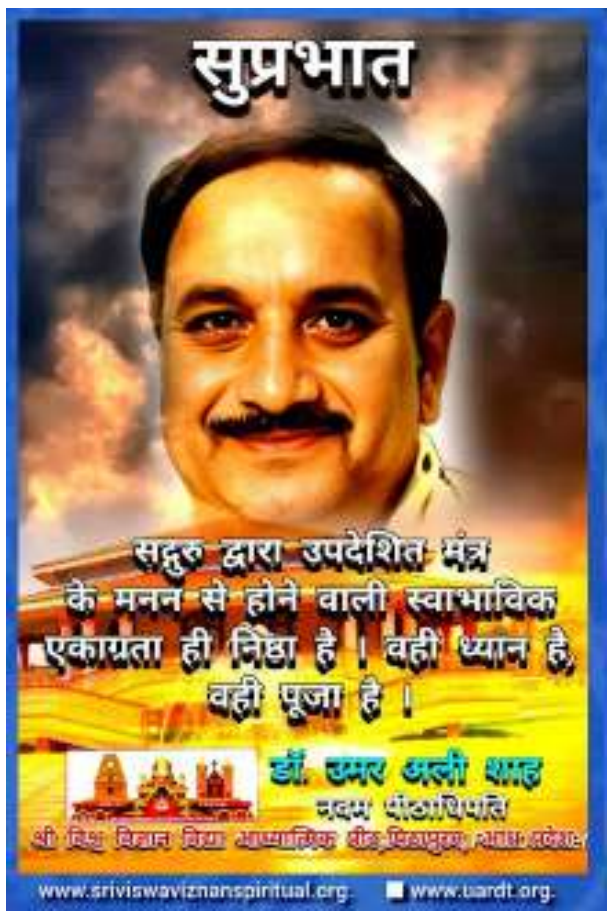

आया सावन झूमकर

(कुण्डलिया)

सावन की शिव–बतकही, मेघों का संगीत।
धरती को शिवमय करे, अंतस भाव पुनीत।
अंतस भाव पुनीत, प्रकृति से बात कराते।
हरियाली के संग, जाप का अर्थ बताते।
सुन लो कहें प्रदीप,सभी कुछ लगता पावन।
रिमझिम के ही साथ,बरसता है जब सावन।।

आया सावन झूमकर,वृक्षों में उत्साह।
माटी को खुशबू मिली,नदियाँ पाती राह।
नदियाँ पाती राह, मिलन सागर से होगा।
पर्वत हैं खुशहाल, कहें जग के सब जोगा।
सुन लो कहें प्रदीप,बादलों को भी भाया।
त्योहारों के साथ, धरा पर सावन आया।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

लोकपाल समाज शेखर की जनसुनवाई निरंतर जारी

डीह बलई के पूर्व सचिव को बार बार समय देने के बावजूद उपस्थित न होने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही का लिया निर्णय

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की जन सुनवाई व संवाद निरंतर जारी है। प्रत्येक मंगलवार व शुक्रवार को 12 बजे से 4 बजे तक जन सामान्य की शिकायतों की सुनवाई व संवाद कार्यक्रम का लाभ जन जन को प्राप्त हो रहा है। मांधाता ब्लाक के पूरे लाल ग्राम में गलत भुगतान की शिकायत प्राप्त होने पर डीसी मनरेगा को जांच कर कार्यवाही का निर्देश दिया था। ढाई माह बीत जाने के बाद खंड विकास अधिकारी के जवाब देने पर लोकपाल ने जवाब तलब किया। उपस्थित सचिव ओम प्रकाश ने देरी की वजह कार्य की व्यस्तता बताते हुए माफ कर आख्या स्वीकार करने का आग्रह किया। जिस पर लोकपाल ने आख्या स्वीकार करते हुए डी सी मनरेगा से उपरोक्त कार्य व आख्या का स्थलीय पर्यवेक्षण व जांच करके समुचित कार्यवाही व आख्या की अपेक्षा की। लोकपाल समाज शेखर ने जन सुनवाई व संवाद में बाबागंज ब्लाक के आज डीह बलई ग्राम के सचिव काशी नाथ वर्मा को लोकपाल ने बयान हेतु ग्राम की शिकायत के मामले मे तलब किया था। कई बार बुलाया गया बार बार बहाने बाजी के दृष्टिगत लोकपाल ने गंभीरता से लेते हुए प्रथम दृष्ट्या अनुशासनात्मक कार्यवाही हेतु मुख्य विकास अधिकारी को संस्तुति करने का निर्णय लिया। वहीं डीह बलई ग्राम के शिकायत कर्ता कोमल मिश्र ने 52 बिंदु के साथ ग्राम समस्याओ को चिन्हांकित कर जिलाधिकारी व लोकपाल से मिलकर आवश्यक कार्यवाही की मांग की। बीजेपी किसान मोर्चा के जिला महामंत्री पवन वर्मा ने लोकपाल से मुलाकात कर सांगीपुर ब्लाक के पूरे मुरली के ग्राम विकास पर संवाद किया।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या: 46-विद्युत/सा0/प्रयागराज/25-26 दिनांक: 02.08.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदा दिनांक 26.08.2025 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित करते हैं निविदा सम्बंधित विस्तृत विवरण निम्नलिखित है-

क्रम संख्या: 01 निविदा सूचना संख्या: ELG-91-2526

कार्य का नाम: [illegible]

कार्य की लागत (रु.में): 22397026.00 | बिड सिक्योरिटी (रु.में): 262000.00

कार्य समाप्त करने की समयावधि: 06 माह, निविदा खुलने की तिथि: 26.08.2025, समय-15:00 बजे। नोट: 1. उपरोक्त ई-टेंडर के साथ पूरी जानकारी (निविदा दस्तावेज के साथ) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 15:00 बजे निविदा खोलने की तिथि तक उपलब्ध है। 1379/25 (D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या: 25/37 दिनांक: 05.08.2025

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज (आई. एस.ओ. 9001:2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	20253482	मेटालाइज्ड कार्बन स्ट्रिप्स	1317 नग	01.09.2025
2	38251886	लोड सेंसिंग वॉल्व टाईप-वीटीए	3873 नग	16.09.2025
3	38251612	नॉन- एस्बेस्टस 'एल' टाईप कम्पोजिशन ब्रेक ब्लॉक फॉर 1000 एमएम व्हील डाया फॉर फ्रेट स्टॉक	54890 नग	22.09.2025
4	38251888	नॉन- एस्बेस्टस 'एल' टाईप कम्पोजिशन ब्रेक ब्लॉक्स फॉर कंटेनर फ्लैट वैगन्स	45253 नग	23.09.2025
5	70254599	सेफ्टी फुटवियर	17756 पेयर्स	26.08.2025

नोट: उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाइट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। 1392/25(A)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

नया इतिहास रचा

सही मायनों में, दिग्गज क्रिकेटरों की अनुपस्थिति में युवा भारतीय क्रिकेटरों ने इंग्लैंड की धरती पर नया इतिहास रचा है। ओवल टेस्ट में उन्होंने इंग्लैंड के मुंह से जीत छीन ली। जो मैच इंग्लैंड के पाले में जाता दिख रहा था, उसे अपनी जीत में बदल दिया। लगातार रोमांचक होते मैच को जीतकर टीम ने न केवल मैच जीता बल्कि शृंखला को भी दो–दो से बराबरी पर ला खड़ा किया। युवा तुर्कों ने उन तमाम क्रिकेट पंडितों की भविष्यवाणियों को बेकार साबित किया, जो इंग्लैंड टीम द्वारा शृंखला जीतने के दावे कर रहे थे। ओवल टेस्ट के अंतिम क्षणों में मोहम्मद सिराज ने तो मैच का पासा ही पलट दिया। मैच के रोमांच ने बताया कि क्यों क्रिकेट पंडित टेस्ट क्रिकेट को असली क्रिकेट की संज्ञा देते हैं। भारत के ६ ुरंधर क्रिकेटरों के बिना इंग्लैंड के खिलाफ उतरी इस टीम ने कई इतिहास रचे, कई रिकॉर्ड तोड़े और नये रिकॉर्ड बनाए। भारतीय क्रिकेट के पिछले 93 साल के इतिहास में यह पहली बार हुआ कि किसी शृंखला में पांच भारतीय बल्लेबाजों ने चार सौ से अधिक रन बनाए हों। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि भारतीय खिलाड़ियों ने ये रन तेज गति व उछाल लेती पिचों के बीच बनाये। उन्होंने पूरे दमखम के साथ तेज ब्रिटिश गेंदबाजों का मुकाबला किया। दरअसल, लीड्स व लॉर्ड्स के मैच भारतीय टीम को करीबी मुकाबले में खोने पड़े अन्यथा टीम शृंखला भी जीत सकती थी। कप्तान शुभमन गिल की इसलिए भी तारीफ करनी होगी कि उन्होंने विदेशी पिच पर कप्तानी के दबाव के बीच भरपूर व सर्वाधिक रन बनाये। कई रिकॉर्ड्स उनकी सफल कप्तानी के गवाह हैं। मोहम्मद सिराज ने निर्णायक भूमिका निभाते हुए न केवल अंतिम कीमती विकट लिए बल्कि पूरे मैच में नौ विकेट लेने के कारण 'मैन ऑफ द मैच' भी बने। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा ने भी दोनों पारियों में चार–चार विकेट लेकर अपने नाम के अनुरूप प्रसिद्धि हासिल की। ओवल मैच में यशस्वी जायसवाल,आकाशदीप, रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन के बल्लों से निकले रन भी इस जीत में खूब काम आए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारतीय टीम ने यह भी साबित किया कि वह विदेशी धरती में, विषम परिस्थितियों में व नामचीन खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में जीत की इबारत लिख सकती है। लगता है जूझते हुए आसन्न हार को जीत में बदलने का हुनर भी टीम ने सीख लिया। जीत के जुनून को हर समय महसूस किया गया। संयुक्त रूप से मैन ऑफ द सीरीज बने शुभमन गिल के बल्ले से खूब रन बरसे। वे इस शृंखला में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बने। यदि वे बीस रन और बना पाते तो एक शृंखला में सबसे ज्यादा रन बनाने के सुनील गावस्कर के रिकॉर्ड को तोड़ सकते थे। वहीं शृंखला में मोहम्मद सिराज नये सितारे बनकर उभरे और उन्होंने सिरीज में सबसे ज्यादा 23 विकेट लिए। निस्संदेह, यह रोमाचक शृंखला टेस्ट क्रिकेट के 148 साल के इतिहास में एक बेहतरीन शृंखला रही। पांचों टेस्ट मैचों में भारतीय टीम जीत के लिये जूझती नजर आई। शुभमन गिल कहीं से नहीं लगे कि वे एक नये कप्तान हैं। वे विराट कोहली और रोहित शर्मा के शानदार विकल्प के रूप में सामने आए हैं। भले ही भारत ने छह रन से ओवल टेस्ट जीता हो मगर यह इतिहास में एक बड़ी जीत के रूप में दर्ज की जाएगी। जिसने हाथ से निकलती सीरीज को बराबरी के स्तर पर ला खड़ा किया। वहीं गिल और सिराज के अलावा इस शृंखला में यशस्वी जायसवाल, के.एल. राहुल, ऋषभ पंत,जसप्रीत बुमराह व आकाश दीप जैसे सितारे भी चमके। निस्संदेह, रवींद्र जडेजा पुराने योद्धा हैं। गिल के पास बहुत समय है और उनसे लंबी पारी और विजयी शृंखलाएं खेलने की उम्मीद की जा सकती है। निस्संदेह, उनकी प्रतिभा भारतीय टीम में जीत का जुनून भरेगी। बहरहाल, शानदार उतार–चढ़ाव भरे पांच मैचों के मुकाबलों ने दर्शाया कि ६ ामाकेदार टी–20 क्रिकेट के दौर में टेस्ट क्रिकेट का क्यों महत्व है। ये उन क्रिकेट पंडितों के लिये जवाब है जो टेस्ट क्रिकेट को बीते दिनों की बात कहने लगे थे।

नशे में समाज या समाज में नशा? नशीले पदार्थों की तस्करी चुनौती

संजीव ठाकुर

वर्तमान में शराब तो सामाजिक बुराई बना ही हुआ है साथ मे सूखा नशा भी समाज के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है, सुखे नशे के मामले में केंद्र सरकार के सर्वोच्च नेतृत्व में यानी प्रधानमंत्री ने भी गंभीरता पूर्वक इसे रोकने के लिए चिंता जताई है।

देश में कई गुना लगातार हो रही ड्रग्स की सप्लाई और तस्करी ने देशभर में अपराधों का इजाफा कर दिया है, पूरा युवा वर्ग नशे में लड़खड़ा कर डोल रहा है। युवा बुजुर्ग यहां तक छोटे–छोटे जवान होते बच्चे भी नशे का शिकार हो चुके हैं। शराब, गांजा, भांग और ड्रग्स जैसे खतरनाक नशीले पदार्थों को लेने का जन्म सिद्ध अधिकार समझ उसका भयानक तरीके से सेवन करने में लगे हैं, नशीले पदार्थों की इस बार खपत पिछली बार की तुलना में लगातार बढ़ती जा रही है। नशीले पदार्थों से हुई अपराधिक गतिविधियों में हुई तेजी शासन, प्रशासन तथा पुलिस के लिए एक गंभीर चुनौती बन गया है, नशीले पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय, अंतर राज्यीय तस्करी देश तथा विश्व के लिए एक बड़ा सिरदर्द बनी हुई है, यह चुनौती इसलिए भी है कि पिछले वर्ष में अपराधियों ने सूखे नशे का सेवन कर अपराध की वारदातें की हैं, नशे की लत में आकर अपराधियों में महानगरों मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई में लगातार बलात्कार, लूट, डकैती,और राहगीरों की हत्या को जन्म दिया है, दूसरी तरफ सूखे नशे की लत में स्कूल और कॉलेज के युवा तथा बच्चे अपना भविष्य खराब करने पर आमादा है, पिछले कुछ माह में मुंबई नारकोटिक्स इकाई ने ताबड़तोड़ छापेमारी कर बड़ी मात्रा में चरस, कोकीन, गांजा, स्मैक की बड़ी तादाद में जप्त कर कई नामचीन अभिनेता, अभिनेत्रियों को गिरफ्तार कर प्रकरण न्यायालय के हवाले किया थाद्य दूसरी तरफ पंजाब, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बेंगलुरु, कोलकाता में भी पुलिस प्रशासन द्वारा सीधे कड़ी कार्रवाई की थी। वर्तमान में शराब तो सामाजिक बुराई बना ही हुआ है साथ मे सूखा नशा भी समाज के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है, सुखे नशे के मामले में केंद्र सरकार के सर्वोच्च नेतृत्व में यानी प्रधानमंत्री ने भी गंभीरता पूर्वक इसे रोकने के लिए चिंता जताई है। देश में न सिर्फ ड्रग्स के नशे का इस्तेमाल किया जा रहा है बल्कि बड़े पैमाने पर इसकी तस्करी कर अवैध कारोबार भी किया जा रहा है ड्रग्स का नशा सामाजिक विडंबना बना हुआ है, तब देश में नए वर्ष के आगमन के पूर्व बड़े–बड़े आलीशान होटलों में सूखे नशे की पार्टियां आयोजित करने की तैयारी कर ली जाती है, ऐसे में पुलिस के केंद्र सरकार के तथा राज्य सरकार के आला अधिकारी इसे रोकने के लिए हर संभव प्रयास की रणनीति बनाने में जुट जाना चाहिए और शासन तथा पुलिस प्रशासन को अपना पूरा ध्यान सूखे नशे को प्रतिबंधित कर देने में लगाना होगा। मूलतः मुंबई गोवा और समुद्र मार्ग से पाकिस्तानी सरहद से लगे क्षेत्र और राज्य से सूखे नशे पदार्थों की आवक सभी राज्यों में होती है, निसंदेह इसे गंभीर षड्यंत्र के रूप में लिया जाना चाहिए, मुंबई सूखे नशे का एक बड़ा केंद्र बन चुका है, सुशांत सिंह राजपूत के आत्महत्या प्रकरण को लेकर जब पुलिस के आला अधिकारी को नशीले पदार्थों रेकेट हाथ लगा तब राज्य तथा केंद्र के कान खड़े हो गए थे, तब से पूरे देश में ताबड़तोड़ नशे के विरोध में कार्रवाई की गई थी। इसी तारतम्य में देश को यह बात समझ में आई कि सूखे नशे की लत में बड़े शहरों के तमाम पूंजीपति नशे के आदी हो चुके परिस्थितियां बहुत गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण है। नए वर्ष के आगमन और होली की सेलिब्रेशन में तमाम नशीले पदार्थों की सप्लाई करने वाले तस्कर अपनी तैयारी में जुट जाते हैं, देश के सभी राज्यों में नशीले पदार्थों के विरोध में केंद्र के निर्देश पर लगातार कार्रवाई की जा रही है और युवा वर्ग बच्चों को सोशल मीडिया के द्वारा भी इसकी बुराई के संबंध में लगातार अवगत कराया जा रहा है एवं इस बुराई से दूर रहने का आह्वान किया गया है, देश के बड़े–बड़े रिसोर्ट, जंगल के पिकनिक स्पॉट, देश की मुख्य सड़कों के आसपास ढाबों के संचालकों पर भी नजर रखने की योजना को मूर्त रूप दिया जाना है ताकि अपराधों में कमी आ सके ,शराब से तो अपराध होते ही हैं। सूखे नशे से अपराधियों के ज्यादा उम्र हिंसक और मस्तिष्क शुन्य हो जाते ऐसे में अपराध करने में उन्हें कोई हिचक नहीं होती, और इस तरह वे नशे में अपराधिक कृत्य करने से नहीं चूकते,केंद्र तथा राज्य प्रशासन की चिंता इस बात के लिए तो है ही कि इससे अपराध की संख्या में काफी वृद्धि हुई है पर साथ में इसके तस्करों द्वारा की जा रही ड्रग्स की तस्करी पर एक गंभीर चुनौती बनी हुई है,अंतरराष्ट्रीय सीमा से आने वाला ड्रग्स शारीरिक रूप से भी काफी नुकसानदेह होता है। अंतरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने का एक राष्ट्रीय स्तर पर योजना बनाकर उसे रोकने का प्रयास किया जाना चाहिए। जितने व्यक्ति नशा करके अपराध करने के लिए दोषी हैं उससे ज्यादा दोषी नशीले पदार्थों के तस्करी करने वाले भी है, तस्कर समूह को चिन्हित कर उस पर बड़ी कार्रवाई करने की देश को गंभीर आवश्यकता है, देश में शराब जहां ग्रामीण क्षेत्रों में एक बड़ी बुराई है उससे ग्रामीण आमजन को आर्थिक नुकसान के साथ–साथ शारीरिक नुकसान भी बहुत बड़ा होता है, इसी के साथ शहरी क्षेत्रों में खासकर बड़े शहरों में सुखा नशा एक बडी सामाजिक बीमारी की तरह अत्यंत गंभीर चुनौती बन गई है, इसे रोकने के हर संभव प्रयास किए जाने चाहिए तभी इस सामाजिक गंभीर समस्या पर कुछ राहत और निदान मिल सकता है।

ताकि भगदड़ के हादसों पर लग सके लगाम

उमेश चतुर्वेदी

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में भगदड़ की सुर्खियों की स्याही अभी सूखी नहीं कि उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले से भी भगदड़ की खबर आ गई है। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर देश तेजी से कदम बढ़ा रहा है। तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था का मतलब है कि तकनीक और सहूलियतों से देश लैस होता जा रहा है। इस संदर्भ में जब भगदड़ की घटनाएं सामने आती हैं तो आधुनिकता से कदमताल करने वाली ये छवियां दरकने लगती हैं। ऐसा नहीं कि देश का ध्यान इस विरोधाभास की ओर नहीं है। फिर भी ऐसी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहीं। ऐसी घटनाएं जब भी होती हैं तो एहतियाती कदम उठाए जाने की प्रशासनिक तंत्र की ओर से घोषणाएं होती हैं। कुछ दिन में देश ऐसी घटनाओं को भुला देता है। अभी भूलने और भुलाने का यह खेल जारी ही रहता है कि कोई नई घटना आ जाती है और एहतियाती कदमों का ऐलान महज हवा–हवाई बनकर रह जाता है। भगदड़ की घटनाओं को लेकर अपनी व्यवस्था कितना संजीदा है, इसी साल हुई घटनाओं से इसका अनुमान लगाया जा सकता है। साल 2025 में ही सात घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें आधिकारिक तौर पर 81 लोगों की जान जा चुकी है। जबकि सैकड़ों घायल हुए हैं। दिलचस्प यह है कि ये घटनाएं कुंभ जैसे भीड़भाड़ वाले सांस्कृतिक और पारंपरिक आयोजन में तो हुई हीं, राष्ट्रीय राजधानी के रेलवे स्टेशन से लेकर गोवा जैसे कम जनसंख्या वाले राज्य में भी घटीं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार नई सदी के बाइस साल में 23 बार भगदड़ मची, जिनमें करीब डेढ़ हजार लोगों को जान गंवानी पड़ी। इन घटनाओं में घायल लोगों में से कई दिव्यांग बन गए तो कई को ऐसा मानसिक आघात लगा कि उससे अभी तक उबर नहीं पाए हैं। भगदड़ की घटनाओं के लिए नागरिक बोध की कमी को पहला कारण माना जाता है। लेकिन हमें नहीं भूलना चाहिए कि भगदड़ की ज्यादातर घटनाएं प्रशासनिक तंत्र की खामी की वजह से होती है। मसलन, 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर घटी घटना की वजह रेलवे अधिकारियों की सोच रही, जिन्होंने आनन–फानन में ट्रेन का प्लेटफॉर्म बदल दिया और उसमें जगह पाने के लिए लोग दौड़ पड़े। दुनिया की बेहतर प्रशासनिक व्यवस्थाओं में अधिकारियों का कल्पनाशील और अनुमानशील होना जरूरी माना जाता है। लेकिन भारतीय प्रशासनिक ढांचे इस कल्पनाशीलता की अक्सर कमी नजर आती है। उसे भावी संकटों और समस्याओं का अनुमान लगाने के लिए जरूरी सोच की कमी है। वह किसी समस्या का अंदाजा लगाकर उसे शुरू में रोकने और व्यवस्थित करने की बजाय आखिरी छोर पर निबटने की सोच से लगातार लैस रहता है। मेले–ठेले में जाने वाले लोगों की भीड़ को मेले में घुसने से पहले व्यवस्थित करने और उसे रोकने में भारतीय प्रशासनिक तंत्र की दिलचस्पी कम होती है, लेकिन जब मेले में भीड़ बढ़ जाती है तो मेले वाली जगह के दरवाजे पर वह अचानक से रोक लगा देता है। जबकि होना यह चाहिए कि मेले की ओर जान वाले रास्ते पर भीड़ को देखते हुए रोक लगा दी जाए। दरवाजे पर भीड़ को रोकने से मेले में भीड़ भले ही ना घुसे, लेकिन पीछे से आ रहे रेले पर रोक नहीं लग पाती। इससे बैरिकेट वाली जगह पर भीड़ का दबाव बढ़ जाता है। पीछे वाली भीड़ के दबाव के चलते एक वक्त ऐसा आता है कि बैरिकेट का कोई मतलब नहीं रह जाता। फिर रेला लोगों को धकियाते आगे बढ़ने लगता है। इस बीच कोई गिर गया तो पीछे वाले के पास ना तो इतना वक्त होता है कि वह समझ पाए ना ही इतनी क्षमता कि पीछे वाली भीड़ को रोक पाए। वह सामने गिरे व्यक्ति के शरीर की ओर अपना पैर बढ़ाने से रोक भी नहीं पाता। इसी दौरान गिरे हुए लोग दूसरे लोगों के पांवों से कुचलते चले जाते हैं। प्रयागराज की भगदड़ की भी वजह यही थी। भीड़ पीछे नहीं रोकी गई, स्नान केंद्र के पास रोकी गई। इसकी वजह से बैरिकेट पर दबाव बढ़ा और पीछे से आए रेला ने इसकी परवाह नहीं कि कौन गिरा है और किसके पेट,पीठ या सिर पर उसका पैर पड़ रहा है। भगदड़ के बारे में एक अवधारणा रही है कि गरीब–गुरबा और अशिक्षित लोग ही इसके शिकार बनते हैं। लेकिन यह अधूरा सच है।

यह सच है कि उत्तर भारत के मंदिरों में दर्शनार्थियों की भीड़ में ज्यादार निम्न मध्यम वर्ग के लोग होते हैं। उत्तर भारत में मंदिरों तक में वीआईपी संस्कृति का बोलबाला है। इसकी तुलना में दक्षिण भारतीय मंदिरों में वीआईपी संस्कृति कुछ कम है। हालांकि दक्षिण के भी कई मंदिरों में दर्शन की व्यवस्था में वीआईपी संस्कृति का तड़का रहता है। लेकिन तुलनात्मक रूप से उत्तर में यह संस्कृति ज्यादा है। इसलिए उत्तर के मंदिरों और धार्मिक मेले–ठेले में अनुशासनहीन भीड़ की बहुलता होती है। चूंकि प्रशासनिक तंत्र कल्पनाशीलता से उन्हें व्यवस्थित नहीं कर पाता, लिहाजा भगदड़ की दुर्भाग्यजनक घटनाएं हो जाती हैं। इसमें दो राय नहीं कि भारत की एक बड़ी समस्या भारत की बड़ी जनसंख्या भी है। हालांकि आज की राजनीति का एक हिस्सा इसे समस्या नहीं मानती। क्योंकि उसका आधार वोट इसी भीड़तंत्र से ही विकसित होता है। भारत में एक बड़ी समस्या यह है कि भीड़ को अनुशासित करने का संस्कार और शिक्षण पारिवारिक और सामाजिक स्तर पर नहीं है। इसकी वजह से मौका पाते ही हर व्यक्ति रसूख के साथ भीड़ से निकलना चाहता है या फिर अपना वर्चस्ववादी स्वभाव दिखाना चाहता है। प्रशासनिक तंत्र इस मानस के आगे कभी रसूख देख झुक जाता है तो कभी वह सोच भी नहीं पाता कि इसके नकारात्मक असर क्या–क्या हो सकते हैं। ऐसे में कई बार पिछड़ती हुई भीड़ अपना आपा भी खो देती है। भारत का एक बड़ा हिस्सा अरसे तक चूंकि गरीबी की मार झेलता रहा है, इसलिए उसके अवचेतन में कुछ पाने की चाह में दूसरों को पीछे छोड़ने की सोच हावी रहती है। इसमें अगर अफवाह अगर मिल जाती है तो हालात भयावह हो जाते हैं। कह सकते हैं कि संस्कार और सोच की कमी, व्यवस्था को सुचारू बनाने की जिम्मेदारी निभाने वाले तंत्र की कल्पनाहीनता और घनी जनसंख्या का कोलाज के सामने उनके बेपटरी होने की आशंका ज्यादा रहती है। ऐसा जब होता है तो हादसों के रूप में उसका भयावह नतीजा सामने आता है।

गीत
'जीवन जलाया होम सा'

डा. भगवान प्रसाद उपाध्याय

उम्र भर विश्वास को
मैंने गलाया मोम सा
और यह जीवन सदा
मैंने जलाया होम सा

अर्चना अपनी लुटा कर
उपहास मैं पीता रहा
मुस्कान दे दी आपको
परिहास में जीता रहा

स्वयं अपने धैर्य को
मैंने बढ़ाया व्योम सा
और यह जीवन सदा
मैंने जलाया होम सा

वर्चस्व मैं देता रहा हूँ
आपके अभिलाष को
सर्वस्व मैं खोता रहा हूँ
स्वयं के उल्लास को

क्रोध की विष प्यालियां
मैंने पिया है सोम सा
और यह जीवन सदा
मैंने जलाया होम सा

निर्मूल भ्रम में तोड़ दी
आपने आस्था हमारी
विन पढ़े ही आपने है
छोड़ दी गाथा हमारी

मैं भला क्या जी सकूंगा
सत्य के घर डोम सा
और यह जीवन सदा
मैंने जलाया होम सा

जो न दे संबल किसी को
वह भला क्या उठ सकेगा
जो घुना है बीज ही तो
वह भला क्या उग सकेगा

आपकी सोई अमरता
मैंने जगाया रोम सा
और यह जीवन सदा
मैंने जलाया होम सा

'निवास'
'पत्रकार भवन' गंधियांव
करछना प्रयागराज उ ०प्र०
पिनकोड – 212301
दूरभाष – 9935205341
वाट्सएप – 8299280381

ट्रंप की धमकी पर भारी पड़ेगी मोदी की कूटनीति

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज एक जटिल कूटनीतिक और राजनीतिक परिस्थिति का सामना कर रहे हैं। एक ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए शुल्क बढ़ाने और दंडात्मक कार्रवाई की धमकी दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी भारत–रूस ऊर्जा साझेदारी को मजबूती से बनाए रखना चाहते हैं। इसके पीछे सिर्फ आर्थिक कारण नहीं, बल्कि एक व्यापक भू–राजनीतिक संदेश भी है कि पश्चिम के सामने झुकने का युग अब समाप्त हो चुका है। देखा जाये तो मोदी सरकार वैश्विक मंचों पर ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं की प्रतिनिधि बनकर उभरी है। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों और नैतिक उपदेशों के बावजूद भारत ने रूस के साथ अपने हितों को स्वतंत्र रूप से साधने की नीति अपनाई। यह वही "रणनीतिक स्वायत्तता" है, जिसकी बात भारत दशकों से करता आया है, पर जिसे आज व्यवहार में लाने का साहस शायद पहली बार किसी सरकार ने इस हद तक दिखाया है। प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह चुनौती केवल बाहरी नहीं है। देश के भीतर कांग्रेस जैसे विपक्षी दल उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से निकटता पर तंज कस रहे हैं। "माई फ्रेंड डोनाल्ड" जैसे वाक्य अब राजनीतिक व्यंग्य बन चुके हैं। कांग्रेस यह सवाल उठा रही है कि अगर अमेरिका से घनिष्ठता इतनी ही प्रभावशाली थी, तो भारत को टैरिफ धमकी क्यों झेलनी पड़ रही है? देखा जाये तो यह आलोचना राजनीतिक रूप से स्वाभाविक है, पर इसमें कूटनीतिक यथार्थ की गहराई को नजरअंदाज किया जा रहा है। भारत आज आर्थिक, सामरिक और राजनीतिक दृष्टि से एक उभरती शक्ति है और ऐसे में विश्व के साथ उसकी मोल–भाव करने की शैली भी बदली है। मोदी जिस भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, वह न केवल अपने हितों की रक्षा करना जानता है, बल्कि विकल्पों का निर्माण भी कर रहा हैकृ जैसे ठत्प्ब्+ का मंच, ऊर्जा विविधता की दिशा में कदम और

नए व्यापारिक सहयोग। इसके अलावा, "मोदी है तो मुमकिन है" सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि इस समय एक परीक्षण की कसौटी बन चुका है। प्रधानमंत्री को अब यह साबित करना है कि वह पश्चिम के दबाव को संतुलित करते हुए, रूस से रिश्ते बनाए रखते हुए और विपक्ष की आलोचनाओं को दरकिनार करते हुए भारत को एक स्वाभिमानी, आत्मनिर्भर और वैश्विक नेता के रूप में उभार सकते हैं। देखा जाये तो इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए मोदी को तीन स्तरों पर निर्णायक पहल करनी होगी– 1. अमेरिका के साथ संवाद बनाए रखते हुए, ट्रेड वार को टालना

शिव कण कण में बसते

सावन मास के आते ही,
शिवमय हो जाता संसार।
कण कण में बसते हैं शिव,
ऐसा होता सबको आभास।

घट घट वासी शिव अविनाशी,
नीलकंठ कहलाते भोलेनाथ।
पहन गले में सांपों की माला,
भस्म रमाते बाबा भूतनाथ।

जटा में इनके गंगा विराजे,
डमरू त्रिशूल लिए है हाथ।
अर्धनारीश्वर रूप है धारी,
गणेश ,कार्तिकेय, गोरा रहते साथ।

कावड़िया कावड़ लेकर जाते,
रटते बाबा विश्वनाथ का नाम.।
नागेश्वर, सोमनाथ की महिमा भारी,
बैद्यनाथ है पावन शिव का धाम।

रंजना बिनानी काव्या
गोलाघाट असम

दीपिका पादुकोण की इस रील को दुनिया में सबसे ज्यादा देखा गया, अब तक आए 1.9 बिलियन व्यूज

दीपिका पादुकोण आज इंडस्ट्री की सबसे बड़ी सितारों में से एक हैं। यह अदाकारा लगभग दो दशकों से इंडस्ट्री में काम कर रही हैं और हाल के दिनों में सबसे भरोसेमंद सितारों में से एक बन गई हैं। हाल ही में, यह अदाकारा हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम पर स्टार पाने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बनीं। अब उन्होंने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है, क्योंकि उनकी एक इंस्टाग्राम रील ने 1.9 बिलियन व्यूज़ को पार कर लिया है, जिससे यह दुनिया भर में इस प्लेटफॉर्म पर सबसे ज़्यादा देखी जाने वाली रील बन गई है। उनकी डिजिटल उपस्थिति की बात करें तो, इंस्टाग्राम पर उनके 80 मिलियन फॉलोअर्स हैं और हाल ही में, उनकी एक इंस्टाग्राम रील ने 1.9 बिलियन व्यूज़ को पार कर लिया है, जिससे यह कथित तौर पर दुनिया भर में इस प्लेटफॉर्म पर सबसे ज़्यादा देखी जाने वाली रील बन गई है। यह न केवल उनकी विशाल वैश्विक फैन फॉलोइंग को दर्शाता है, बल्कि उन्हें डिजिटल जगत की सबसे प्रभावशाली भारतीय हस्तियों में से एक के रूप में भी स्थापित करता है।

इंस्टाग्राम पर सबसे ज़्यादा देखी जाने वाली रील

दीपिका सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हैं। वह अपने इंस्टाग्राम अकाउंट, जिसके 8 करोड़ फ़ॉलोअर्स हैं, का इस्तेमाल अपनी निजी और पेशेवर ज़िंदगी की झलकियाँ साझा करने के लिए करती हैं, जिसमें उनकी आने वाली फ़िल्में और फ़ोटोशूट से लेकर उनके ब्रांड्स के बारे में अपडेट और परिवार के सदस्यों के साथ मज़ेदार बातें शामिल हैं। कई अंतरराष्ट्रीय लेबल्स की ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर होने के नाते, वह अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर विज्ञापन भी शेयर करती हैं।

दीपिका की आने वाली फ़िल्मेंरू स्टार के लिए आगे क्या है?

दीपिका को आखिरी बार रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित शसिंघम अगेनश में अक्षय कुमार, अजय देवगन, करीना कपूर खान, टाइगर श्रॉफ, जैकी श्रॉफ और अन्य के साथ देखा गया था। इस फिल्म में उन्होंने डीसीपी शक्ति शेट्टी की भूमिका निभाई थी। वह अगली बार एटली की एक्शन महाकाव्य फिल्म श।।22•।6श में दक्षिण के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के साथ दिखाई देंगी। वह अक्षत घिल्डियाल और मितेश शाह की कॉमेडी ड्रामा थ्रिलर फिल्म श्द इंटर्नश का भी हिस्सा हैं, जिसमें वह अमिताभ बच्चन के साथ नज़र आएंगी।

इशा मालवीय और अभिषेक कुमार फिर से साथ दिखे अंशुल गर्ग के नए गाने 'नी तू बार–बार' में

फैंस के लिए खुशी की बात है कि इशा मालवीय और अभिषेक कुमार एक बार फिर साथ नजर आए हैं। उनका नया गाना नी तू बार–बार आज रिलीज हुआ है, जिसमें दोनों शादी वाले सीन में दिखाई देते हैं। यह वीडियो उनके पुराने रिश्ते की याद दिलाता है और फैंस के लिए एक इमोशनल पल बन गया है। इस गाने की कहानी सिर्फ एक म्यूजिक वीडियो नहीं लगतीकृबल्कि कई लोगों को यह असली जिंदगी की तरह महसूस हो रही है। इशा और अभिषेक पहले 'उड़ारियां' में साथ थे और फिर बिग बॉस 17 में उनका ब्रेकअप हो गया था। अब पहली बार दोनों फिर से साथ दिखे हैं, जिससे यह वीडियो और भी खास बन गया है। उनकी केमिस्ट्री और सहज संबंध अब भी साफ नजर आता है, और फैंस इसे एक खूबसूरत मुलाकात की तरह देख रहे हैं। सोशल मीडिया पर लोग इस गाने को बहुत पसंद कर रहे हैं। कोई इसे "सपना सच होने जैसा" बता रहा है, तो कोई उम्मीद कर रहा है कि ये ऑनस्क्रीन शादी असल जिंदगी में भी दोबारा साथ आने का संकेत हो। इस गाने को लेकर मीम्स, वीडियो एडिट और इमोशनल पोस्ट भी खूब वायरल हो रहे हैं। गाने की शूटिंग बहुत सुंदर तरीके से की गई है। सीन सॉफ्ट और भावुक हैं, जो पुराने पलों की याद दिलाते हैं। लेकिन सबसे खास बात है इशा और अभिषेक का साथ आना। इनका सफर को–स्टार से रियल लाइफ पार्टनर और अब फिर से को–एक्टर बनने तक का रहा है, जो लोगों को बहुत पसंद आ रहा है। नी तू बार–बार सिर्फ एक गाना नहीं है, यह एक खास पल हैकृजो असली और फिल्मी दुनिया को मिलाकर एक नई उम्मीद जैसा लगता है।

दीपिका अब ठीक हो रही तो शोएब को हुई ये बीमारी, खुलासा कर बोले–इससे ही पापा को हैमरेज हुआ था

टीवी जगत की जानी–मानी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ इन दिनों लिवर कैंसर से जूझ रही हैं। हाल ही में उनकी लिवर ट्यूमर की सर्जरी हुई थी, जिसके बाद उनका इलाज अब भी जारी है। इसी बीच उनके पति और एक्टर शोएब इब्राहिम ने एक यूट्यूब व्लॉग के माध्यम से बताया कि वह खुद भी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। शोएब इब्राहिम ने हाल ही में अपने यूट्यूब चौनल पर एक नया व्लॉग शेयर किया जिसमें वह दीपिका के साथ कार में नजर आ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने बताया कि वे दीपिका के एक फोटोशूट के लिए जा रहे हैं, लेकिन साथ ही उन्होंने अपनी बीपी (ब्लड प्रेशर) की समस्या के बारे में भी बात की। एक्टर कहते हैं–पिछले 8–10 दिनों से नहीं, बल्कि एक डेढ़ महीने से थोड़ा–सा मुझे बीपी का इशू चल रहा है। पहले ऐसा लगता है ना कि चलो ठीक है थोड़ा अभी माहौल ऐसा है, वक्त ऐसा है जब ये (दीपिका) हॉस्पिटल में थी, तो कभी–कभी ऊपर–नीचे चीजें होती रहती हैं, लेकिन फिर 8–10 दिन से थोड़ा–सा ज्यादा हो गया था और ऐसा होता है ना कि अचानक से आपका सर हल्का सा घूमता है। आप उठ रहे हो, बैठ रहे हो, यहां वहां देख रहे हो तो आपका हल्का सा सर चकराता है कुछ सेकंड के लिए, एक सेकंड भी नहीं बोलेंगे उसको। शोएब ने कहा–मैंने हमारे जो डॉक्टर हैं डॉक्टर तुषार शाह, वो सब उनको दिखाया। उन्होंने सारे टेस्ट बोले, फुल बॉडी चेकअप, सारे ब्लड टेस्ट, फिर किडनी फंक्शन। लिवर फंक्शन टू डी, स्ट्रेस टेस्ट। एक आधा हफ्ते ये पूरा सब चलता रहा लेकिन अल्हम्दुलिल्लाह बाकी सब ठीक है, लेकिन बीपी की दवा जो है वो डॉक्टर ने शुरू कर दी है और कोई भी चीज है पहले से कर लेते हैं क्योंकि पापा को भी बीपी है मम्मी को भी बीपी है। शोएब आगे कहते हैं– कभी–कभी चीजें हेरिडिटरी भी होती हैं। स्ट्रेस वगैरह एक वो एक अलग चीज है, लेकिन कभी–कभी ये सब सबरिडिटरी भी होता है, अम्मी को भी है, पापा को भी है और पापा को बीपी की वजह से ही 2013 में सबसे पहला जो उनको हैमरेज हुआ था उसी वजह से हुआ था। क्योंकि उन्होंने उस चीज की लापरवाही की थी। उनको डॉक्टर ने बताया था कि आपको बीपी है। आपको टैबलेट शुरू करनी चाहिए, तो उन्होंने नहीं किया था। तो वो एक होता है ना कि मन में वो डर हो जाता है कि नहीं यार, अभी कोई चीज है, कोई दिक्कत वाली बात नहीं है। शोएब फिर कहते हैं–एक छोटी सी टैबलेट है, लेने में कुछ नहीं होता। कभी उसमें ईगो नहीं लाना चाहिए। जैसे बहुत से लोग होते हैं कि नहीं नहीं हम अभी आदत नहीं डालेंगे दवाई की। ऐसा नहीं करना चाहिए।

हंसिका मोटवानी के इंस्टाग्राम से गायब हुए पति सोहेल, एक्ट्रेस ने डिलीट की शादी की सारी तस्वीरें, तलाक की अटकलें तेज

टीवी एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी इस वक्त अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खूब चर्चा में बनी हुई है। सोशल मीडिया पर अटकलें लगाई जा रही हैं कि एक्ट्रेस शादी के ढाई साल बाद पति सोहेल कथूरिया से अलग हो गई हैं। हालांकि, इन सब खबरों पर अभी तक हंसिका और सोहेल ने किसी तरह की कोई पुष्टि नहीं की है। इसी बीच एक्ट्रेस ने कुछ ऐसा किया है, जिससे उनके तलाक की अटकलों को और भी हवा मिल गई है। दरअसल, हंसिका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से पति सोहेल के साथ की सारी तस्वीरों और वीडियो को डिलीट कर दिया है। यहां तक कि उनकी शादी की तस्वीरें भी नजर नहीं आ रही हैं। हंसिका मोटवानी और सोहेल कथूरिया के साथ की तस्वीरें और वीडियो दिखाई नहीं देने से उनके तलाक की अफवाहों को हवा मिल गई है। खबर है कि एक्ट्रेस कुछ समय से अपनी मां के साथ रह रही हैं। हालांकि इन रूमर्स पर हंसिका और सोहेल ने अभी भी कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है। गौरतलब है कि हंसिका मोटवानी और सोहेल कथूरिया ने साल 2022 में ग्रैंड शादी की थी। इससे पहले दोनों ने काफी समय तक एक–दूसरे को डेट किया था। शादी के बाद कपल ने सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुए थे। यही नहीं हंसिका और सोहेल ने अपनी वेडिंग की पूरी वेब सीरीज लॉन्च की थी जिसका नाम 'हंसिकाज लव शादी ड्रामा' रखा गया था। ये सीरीज जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम हुई थी।

सैम बहादुर' और 'उल्लोजुक्कु' की नेशनल अवॉर्ड जीत पर रॉनी स्क्रूवाला ने जाहिर की खुशी

आरएसवीपी मूवीज भारत के सबसे बड़े और कंटेंट–ड्रिवन प्रोडक्शन हाउस में से एक है, जिसने उरीरू द सर्जिकल स्ट्राइक, द स्काई इज पिंक और सैम बहादुर जैसी कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। ये लगातार ऐसी फिल्में बनाते रहे हैं जिन्हें उनके दमदार कंटेंट के लिए सराहा गया है। बेहतरीन काम के लिए इन्हें कई अवॉर्ड्स मिल चुके हैं, लेकिन अब सबसे बड़ा सम्मान इनके हिस्से आया है। 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड 2023 में इनकी दो फिल्में सैम बहादुर और मलयालम फिल्म उल्लोजुक्कु ने बड़ी जीत हासिल की है। आरएसवीपी मूवीज ने 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में शानदार जीत दर्ज की। सैम बहादुर ने "राष्ट्रीय, सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों पर बनी बेस्ट फीचर फिल्म", "बेस्ट मेक–अप" (श्रीकांत देसाई) और "बेस्ट कॉस्ट्यूम डिजाइन" का नेशनल अवॉर्ड जीता है। वहीं, उल्लोजुक्कु ने "बेस्ट मलयालम फिल्म" और "बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस" (उर्वशी) का अवॉर्ड अपने नाम किया।इस बड़ी जीत पर संस्थापक रॉनी स्क्रूवाला ने कहा, "हमारी दो खास फिल्मों सैम बहादुर और उल्लोजुक्कु को नेशनल अवॉर्ड मिलना हमारे लिए बहुत गर्व की बात है। हम हमेशा ऐसी फिल्में बनाने की कोशिश करते हैं जो लोगों के दिल को छू जाएं। इन अवॉर्ड्स से हम बहुत खुश हैं और जूरी और दर्शकों के प्यार व सहयोग के लिए धन्यवाद करते हैं। यह हमें आगे भी अच्छी और असरदार फिल्में बनाने की हिम्मत देता है।"यह वाकई आरएसवीपी मूवीज के लिए एक बड़ी जीत है। इसके साथ ही इस प्रोडक्शन हाउस ने भारतीय मनोरंजन जगत में अपनी मजबूत पहचान और भी पक्की कर ली है।

क्या आप जानते हैं राखी बांधते वक्त कितनी गांठें लगाते हैं? जानिए इसका महत्व

रक्षाबंधन का पर्व इस बार 9 अगस्त, शनिवार को मनाया जाएगा। श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि पर मनाया जाने वाला यह पर्व भाई–बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक माना जाता है। इस दिन बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और उनकी लंबी उम्र व सुख–समृद्धि की कामना करती हैं। वहीं, भाई बहन की रक्षा का संकल्प लेते हैं।

राखी बांधते वक्त कितनी गांठें लगाते हैं?

रक्षाबंधन पर राखी बांधते वक्त तीन गांठें लगाई जाती हैं। तीन गांठे लगाना बहुत शुभ माना जाता है। ये सिर्फ रस्म नहीं बल्कि इसके पीछे धार्मिक और भावनात्मक मान्यताएं जुड़ी हुई हैं।

तीन गांठों का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, राखी में बांधी गई तीन गांठें त्रिदेव दृ ब्रह्मा, विष्णु और महेश दृ का प्रतीक मानी जाती हैं।

– पहली गांठ ब्रह्मा को समर्पित होती है, जो जीवन की शुभ शुरुआत और सृजन शक्ति का प्रतीक हैं।

– दूसरी गांठ विष्णु को समर्पित होती है, जो पालनकर्ता हैं और भाई के सुख, सुरक्षा और समृद्धि का प्रतीक मानी जाती है।

– तीसरी गांठ भगवान शिव को समर्पित होती है, जो संकटों से रक्षा और बुराइयों से मुक्ति का संकेत देती है।

– आफत के अगले 48 घंटे! सतर्क रहें... स्कूलों में छुट्टी का ऐलान, इन राज्यों के लिए जारी ऑरेंज अलर्ट

विश्वास, प्रेम और सुरक्षा का प्रतीक

इन तीन गांठों को भाई–बहन के रिश्ते में विश्वास, प्रेम और सुरक्षा का प्रतीक भी माना जाता है। यह केवल एक रक्षासूत्र नहीं, बल्कि बहन की शुभकामनाएं, आस्था और भावनाओं का मजबूत धागा होता है, जो दोनों को जीवनभर जोड़कर रखता है।

राखी बांधने का शुभ मुहूर्त

9 अगस्त को राखी बांधने का शुभ मुहूर्त सुबह 5.47 बजे से दोपहर 1.24 बजे तक रहेगा। कुल मिलाकर बहनों को राखी बांधने के लिए 7 घंटे 37 मिनट का समय मिलेगा।

बहना के पसंदीदा उपहार में खुशी के साथ झलके प्यार

रक्षाबंधन भाई के बहन के प्रति स्नेह को सेलिब्रेट करने का पर्व है। यह अवसर जीवन के हर मोर्चे पर बहन की केयर यानी रक्षा करने के संकल्प का है। तो जब इस बार बहन आपकी कलाई पर राखी बांधेगी तो पहले ही उसके गिफ्ट का चुनाव कर लें। जो उसकी रुचि व पर्सनैलिटी के अनुकूल हो, ट्रेंडी हो व उसके लिए उपयोगी भी हो। इस साल रक्षाबंधन के मौके पर जब आप अपनी बहना को अगर गिफ्ट देने के बारे में सोचें तो उसकी पर्सनैलिटी और इंटेरेस्ट का ख्याल रखें तथा उसी से मेल खाता हुआ तोहफा दें, तो उसे पसंद भी आयेगा और उसे खुशी भी होगी। आज के मॉडर्न जमाने में युवा भाइयों के लिए अपनी मॉडर्न युवा बहन के लिए कुछ ट्रेंडी और उपयोगी गिफ्ट देना बनता है, जो उसकी पर्सनैलिटी और इंटेरेस्ट से मेल खाते होंगे। इन्हें पाकर सचमुच आपकी बहन को अच्छा लगेगा, तो जानिये कि अपनी टेक सेवी बहन के लिए इस रक्षाबंधन में क्या गिफ्ट दें?

स्मार्ट गिफ्ट

स्मार्ट गिफ्ट की रेंज यूं तो बहुत लंबी हो सकती है। फिर भी अगर कुछ कॉमन स्मार्ट गिफ्ट की बात करें तो इस रक्षाबंधन में आप अपनी बहन को एक स्मार्ट वॉच या फिटनेस बैंड गिफ्ट कर सकते हैं, जो उसे हेल्थ के प्रति कॉन्शस भी रखेगी और इससे वह स्टाइलिश भी दिखेगी। दूसरे नंबर पर मॉडर्न ईयर बड या ब्लू टुथ हैडफोन भी स्मार्ट गिफ्ट का अच्छा विकल्प हो सकते हैं। आजकल म्यूजिक और कॉलिंग के लिए ईयर बड और ब्लू टुथ हैडफोन की खूब जरूरत पड़ती है। एक और स्मार्ट गिफ्ट का अच्छा विकल्प हो सकता है–पोर्टेबल स्किन केयर डिवाइसेस। जैसे एलईडी फेस मास्क, फेस रोलर आदि। इसके अलावा जब आप बाजार में जाएंगे तो आपको दर्जनों स्मार्ट गिफ्ट के विकल्प दिखेंगे। वहां अपनी बहन की पर्सनैलिटी को ध्यान में रखते हुए कोई अच्छा गिफ्ट चुन सकते हैं।

सेल्फ केयर व ब्यूटी गिफ्ट्सलग्जरी स्किन केयर और मेकअप किट जैसे सेल्फ केयर गिफ्ट भी इस रक्षाबंधन में अपनी मॉडर्न बहन को देने के लिए पसंदीदा गिफ्ट हो सकता है। इसके लिए उसके पसंदीदा ब्रांड को पूछें या पता लगाएं और उसी के अनुरूप उसके लिए असेंशियल लग्जरी स्किन केयर और मेकअप किट खरीद लें। स्पा बाउचर या सैलून पैकेज भी अच्छे गिफ्ट्स में आते हैं। यह एक रिलैक्सेसिंग एक्सपीरियंस होगा। कोई बेहतर पर्सनलाइज्ड परफ्यूम, बॉडी मिस्ट उसके नाम के साथ कस्टमाइज्ड कराकर अपनी बहन को खुशी से चौंका सकते हैं।

पर्सनल क्रिएटिव गिफ्ट

इन दिनों मिनिमलिस्ट ज्वैलरी ट्रेंड में है, इसलिए चाहें तो उसके नाम वाला एक नेकलेस या ब्रैसलेट भी लिया जा सकता है। अगर ये चीजें उसके पसंद के दायरे में आती हैं। नाम वाला नेकलेस या ब्रैसलेट बहुत पर्सनल और क्रिएटिव लुक देता है।

कस्टमाइज्ड स्कैच व पॉट्रेट फ्रेम

हालांकि अब एआई के कई प्रोग्राम बहुत आसानी से और बहुत आकर्षक कस्टमाइज्ड स्कैच पलक झपकते तैयार कर देते हैं। पर अपना कस्टमाइज्ड पोज हर किसी को खूब आकर्षित करता है। इसलिए अगर एआई की बजाय बाजार में तेजी से तस्वीर देकर मैनुअली अपनी सिस्टर का कस्टमाइज्ड स्कैच तैयार करके उसे देंगे तो उसे बहुत अच्छा लगेगा। अपने बचपन की फोटो के साथ अगर उसे एक पोट्रेट फ्रेम गिफ्ट करेंगे तो यह भी उसे इमोशनली खुश कर देगा। कोई हैंड रिटन लेटर या मैमोरी चार्ट जो भाई–बहन के लम्हों को समेटे हो, ये भी ऐसे स्मार्ट और इमोशनल गिफ्ट्स हैं, जो आपके रक्षाबंधन को खुशी से भर देंगे।

कैरियर और फैशन सपोर्ट गिफ्ट

किसी ऑनलाइन कोर्स का सब्सक्रिप्शन जैसे कोरसेरा, स्किल शेयर (डिजाइन, फोटोग्राफी, म्यूजिक आदि) से भी अपनी हमउम्र बहन को खुश कर सकते हैं। कोई बुक सेट या किंडर भी गिफ्ट कर सकते हैं, अगर उसे पढ़ने का शौक हो। डायरी और हाई–एंड–स्टेशनरी।

फैशन और स्टाइल

अगर आपकी सिस्टर फैशनेबल है, तो उसे इस मौके पर कोई ब्रांडेड बैग या क्लच दे सकते हैं। अगर उसे ट्रेंडी फुटवियर पसंद हों तो इस मौके पर स्नीकर्स या हिल्स भी दे सकते हैं। पर्सनलाइज्ड स्कार्फध्स्टोल का भी आइडिया बुरा नहीं है, इंस्टाग्राम स्टाइल में।

यादगार पल भी बढ़िया गिफ

जी हां, बहन का कोई पसंदीदा बैंड शहर में परफॉर्म कर रहा हो या उसका कोई पसंदीदा प्ले चल रहा हो, तो थियेटर या कंसर्ट की टिकेट्स गिफ्ट करना भी अच्छा आइडिया है और अगर आप दोनों कहीं घूमने का प्लान बना सकें तो वीकेंड ट्रिप प्लान भी इस मौके का बढ़िया गिफ्ट है। अगर आपकी बहन को कुकिंग या पेंटिंग आदि में कुछ नया सीखने का शौक हो तो कुकिंग या पेंटिंग वर्कशॉप का गिफ्ट कार्ड दिया जा सकता है।

क्या आप जानती हैं फ्रिज में रखे आटे से बनी रोटियां खाने के नुकसान ?

अक्सर अपना सुना होगा कि एक्सपर्ट्स सलाह देते हैं, आटा गूंथकर तुरंत रोटी बनाकर खानी चाहिए। लेकिन ज्यादातर लोग सुविधा के लिए एक बार में ज्यादा आटा गूंथकर फ्रिज में रख देते हैं और बाद में उसका उपयोग करते हैं। ध्यान दें कि फ्रिज में रखे आटे से बनी रोटियों में कुछ महत्वपूर्ण विटामिन्स और मिनरल्स कम हो सकते हैं। यहां हम आपको बताएंगे फ्रिज में रखे आटे से बनी रोटियों के कुछ साइड इफेक्ट्स के बारे में, जिनके बारे में आपको पता होना बेहद जरुरी है।

गट हेल्थ पर नकारात्मक असर

फ्रिज में रखे हुए आटे से बनी रोटियां आपकी गट हेल्थ पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। लगातार इस तरह का आटा प्रयोग करने से गैस, एसिडिटी और अन्य पेट संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा, गूंथे हुए आटे को फ्रिज में रखने से आटे में फंगस लगने की संभावना भी होती है, जो आपकी तबीयत को प्रभावित कर सकती है।

बैक्टीरिया का जोखिम

लंबे समय तक फ्रिज में रखे गए आटे में बैक्टीरिया पैदा होने की संभावना बढ़ जाती है। इसके अलावा, ताजे आटे से बनी रोटियों का स्वाद फ्रिज में रखे आटे से बनी रोटियों की तुलना में बेहतर होता है। यदि आप अपनी सेहत को बनाए रखना चाहते हैं, तो गूंथे हुए आटे को फ्रिज में रखने से बचें।

फ्रेश आटे को प्राथमिकता दें

रोटियों में अधिक से अधिक पोषक तत्वों का लाभ उठाने के लिए आपको फ्रेश आटे का उपयोग करना चाहिए। आटा गूंथते समय साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखें और ताजे आटे से बनी रोटियां अपनी डाइट में शामिल करें।

इन सुझावों का पालन करके आप अपनी सेहत और रोटियों की गुणवत्ता दोनों को बनाए रख सकते हैं।

रोजाना करें ये 6 योगासन, नहीं लगेगी कोई बीमारी

योग आपके शरीर और मन दोनों के लिए लाभकारी हो सकता है। यदि आप रोजाना इन 6 योगासनों को अपनी दिनचर्या में शामिल करते हैं, तो आपको कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं और बीमारियों से दूर रह सकते हैं। यहाँ कुछ महत्वपूर्ण योगासन हैं जिन्हें आप अपनी दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं–

ताड़ासन

विधिरू सीधे खड़े हो जाएँ, पैर एक साथ रखें, हाथों को शरीर के किनारे रखें, और गहरी साँस लें। हाथों को सिर के ऊपर उठाएँ और शरीर को धीरे–धीरे ऊपर की ओर खींचें।

लाभः यह आसन शरीर की मुद्रा को सुधारता है और संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

भुजंगासन

विधिः पेट के बल लेट जाएँ, हाथों को कंधों के नीचे रखें, और धीरे–धीरे ऊपरी शरीर को ऊपर उठाएँ।

लाभः यह आसन रीढ़ की हड्डी को मजबूत करता है और पेट की मांसपेशियों को टोन करता है।

वृक्षासन

विधिः एक पैर पर खड़े हों और दूसरे पैर को थाई पर रखें। हाथों को शरीर के ऊपर जोड़े।

लाभः यह आसन संतुलन बनाए रखने में मदद करता है और मानसिक स्थिरता को बढ़ावा देता है।

सर्वांगासन

विधिः पीठ के बल लेट जाएँ, पैरों को धीरे–धीरे ऊपर उठाएँ और कंधों पर वजन डालें। हाथों से पीठ को समर्थन दें।

लाभः यह आसन रक्त संचार को बेहतर बनाता है और थायरॉइड ग्रंथियों को सक्रिय करता है।

पश्चिमोत्तानासन

विधिः खड़े हो जाएँ और धीरे–धीरे कमर से झुकते हुए हाथों को जमीन की ओर बढ़ाएँ।

लाभःयह आसन शरीर की लचीलापन को बढ़ाता है और तनाव को कम करता है।

शवासन

विधिः पीठ के बल लेट जाएँ, हाथों और पैरों को आराम से रखें और पूरी तरह से शांत हो जाएँ।

लाभः यह आसन मानसिक विश्राम प्रदान करता है और तनाव को कम करता है। इन आसनों को करते समय सही तकनीक और सांसों का ध्यान रखना महत्वपूर्ण है। किसी भी आसन को करते समय यदि आपको कोई असुविधा महसूस हो, तो तुरंत इसे बंद कर दें और अपने चिकित्सक से परामर्श करें।

संक्षिप्त

आरबीआई ने विशेष रुपया वोस्ट्रो खाता खोलने के नियम में किए बदलाव

भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार कोरुपये में वोस्ट्रो खाता खोलने से जुड़े नियमों बदलाव किया। इसके तहत बैंकों को अब बिना पूर्व अनुमति के विदेशी बैंकों के लिए विशेष रुपया वोस्ट्रो खाते खोलने की अनुमति दी गयी है। वोस्ट्रो खाता एक घरेलू बैंक द्वारा विदेशी बैंक के लिए खोला गया खाता है। यह खाता घरेलू बैंक की मुद्रा में होता है। रिजर्व बैंक जुलाई, 2022 में भारतीय रुपये में निर्यात/आयात के चालान, भुगतान और निपटान के लिए एक अतिरिक्त व्यवस्था लागू की थी। इस व्यवस्था के तहत, बैंकों को सीमापार व्यापार लेनदेन के निपटान के लिए रिजर्व बैंक की पूर्वानुमति से विदेशी बैंकों के विशेष रुपया वोस्ट्रो खाता खोलने की अनुमति दी गई थी। आरबीआई ने बयान में कहा, ''प्रक्रिया की समीक्षा के आधार पर, विशेष रुपया वोस्ट्रो खाता खोलने के लिए आरबीआई की मंजूरी लेने की आवश्यकता को समाप्त करने का निर्णय लिया गया है।'' बैंक अब भारतीय रिजर्व बैंक से संपर्क किए बिना अन्य (विदेशी) बैंकों के विशेष रुपया वोस्ट्रो खाता खोल सकते हैं। आरबीआई ने कहा कि इस बदलाव से ऐसे खाते खोलने की प्रक्रिया में काफी तेजी आएगी।

श्वेत क्रांति 2.0 के तहत पांच साल में दूध खरीद 50 प्रतिशत बढ़ाने का लक्ष्य : अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि सरकार सहकारिता–आधारित श्वेत क्रांति 2.0 के तहत अगले पांच वर्षों में दूध की खरीद में 50 प्रतिशत वृद्धि के लिए काम कर रही है। शाह ने संसदीय सलाहकार समिति की दूसरी बैठक की अध्यक्षता करते हुए सहकारी क्षेत्र के लिए सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं की रूपरेखा पेश की। इसमें दो लाख बहुउद्देशीय सहकारी समितियों की स्थापना का लक्ष्य भी शामिल है।

इस पहल के तहत अब तक 35,395 नई सहकारी समितियों का गठन किया जा चुका है। शाह ने कहा, ''सहकारिता मंत्रालय सहकारी समितियों को जीवंत और सफल व्यावसायिक इकाइयों में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। सहकारी क्षेत्र भूमिहीन और गरीब लोगों की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।'' उन्होंने कहा कि श्वेत क्रांति 2.0 के तहत डेयरी क्षेत्र को मजबूत करने में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। कुल 15,691 नई डेयरी सहकारी समितियों का पंजीकरण हुआ है, जबकि 11,871 मौजूदा समितियों को मजबूत किया गया है। एक बयान के मुताबिक, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) और 15 राज्यों के 25 दुग्ध संघों ने डेयरी सहकारी समितियों में बायोगैस संयंत्र स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। सहकारिता मंत्री ने इस क्षेत्र के विकास के लिए स्थापित राष्ट्रीय स्तर की तीन सहकारी समितियों का भी उल्लेख किया। राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक लि. (एनसीओएल) किसानों के जैविक उत्पादों के प्रमाणीकरण, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और विपणन का कार्य करती है। राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लि. (एनसीईएल) किसानों के उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निर्यात करने की सुविधा प्रदान करती है जबकि भारतीय बीज सहकारी समिति लि. (बीबीएसएसएल) भारत के पारंपरिक बीजों के संरक्षण, भंडारण और उत्पादन पर केंद्रित है। इस दौरान शाह ने कहा कि मोदी सरकार पारंपरिक बीजों के लिए छोटे किसानों के साथ अनुबंध करेगी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उन्हें इन पहलों का लाभ मिले। मंत्रालय ने पिछले चार वर्षों में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स), डेयरी, मत्स्य पालन, सहकारी बैंकों, चीनी सहकारी समितियों और शासन प्रणालियों को मजबूत करने के लिए 100 से अधिक पहल की हैं। इनमें डिजिटल सुधार, नीतिगत बदलाव, वित्तीय सहायता और संस्थागत क्षमता निर्माण शामिल हैं। बैठक के दौरान सहकारिता मंत्रालय ने पिछले चार साल में की गई विभिन्न पहलों पर समिति को जानकारी दी।

रुपया शुरुआती कारोबार में 15 पैसे की बढ़त के साथ 87.73 प्रति डॉलर पर

रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 15 पैसे की बढ़त के साथ 87.73 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति के फैसले से पहले निवेशक सतर्क हैं। छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) आज द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा की घोषणा करेगी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.72 पर खुला। फिर थोड़ी गिरावट के साथ 87.73 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 15 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया मंगलवार को अपने सर्वकालिक निम्न स्तर पर पहुंच गया और 22 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.88 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.71 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार 113.41 अंक की बढ़त के साथ 80,823.66 अंक पर जबकि निफ्टी 19.20 अंक चढ़कर 24,668.75 अंक पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.62 प्रतिशत की बढ़त के साथ 68.06 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 22.48 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

चयनकर्ताओं के सामने अब एशिया कप की होगी चुनौती, गिल–यशस्वी के साथ ये खिलाड़ी भी दौड़ में शामिल

नई दिल्ली। भारतीय टीम का इंग्लैंड दौरा पूरा हो गया है और खिलाड़ी स्वदेश लौट रहे हैं। शुभमन गिल की अगुआई में भारत ने इस दौरे पर शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय टीम के सामने अब अगली चुनौती एशिया कप की होगी जहां वह खिताब के बचाव के लिए उतरेगी। एशिया कप की शुरुआत नौ सितंबर से होनी है और इस बार यह टूर्नामेंट टी20 प्रारूप में खेला जाएगा। चयनकर्ताओं के सामने एशिया कप के लिए टीम चुनने की चुनौती होगी। भारतीय टी20 टीम ने पिछले कुछ समय में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। माना जा रहा है कि अगस्त के तीसरे सप्ताह तक एशिया कप के लिए टीम घोषित हो जाएगी। इसके लिए यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और साई सुदर्शन टीम में जगह बनाने के दावेदारों में शामिल हैं। न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के हवाले से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने सभी विकल्प खुले रखे हैं।

आईपीएल 2025 में खूब चला था गिल–यशस्वी और सुदर्शन का बल्ला

भारत अगर 28 सितंबर को होने वाले महाद्वीपीय टी20 टूर्नामेंट के फाइनल के लिए क्वालिफाई करता है तो वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू मैदान पर टेस्ट सीरीज इसके एक हफ्ते से भी कम समय में शुरू होगी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहला टेस्ट मैच दो अक्तूबर से अहमदाबाद में खेला जाना है। यशस्वी आईपीएल के पिछले सीजन में शानदार फॉर्म में थे और उन्होंने 160 के स्ट्राइक रेट से 559 रन बनाए थे, जबकि गिल ने 15 मैचों में 155 से अधिक के स्ट्राइक से 650 रन बनाए थे। वहीं, गुजरात टाइटंस में गिल के ओपनिंग साझेदार साई सुदर्शन ने 156 के स्ट्राइक रेट से 759 रन बनाए थे और ऑरेंज कैप अपने नाम करने में सफल रहे थे।

बीसीसीआई के एक सूत्र ने

कहा, पांच हफ्ते का ब्रेक है और क्रिकेट नहीं होने के कारण संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा के शानदार प्रदर्शन के बावजूद इन तीनों को टी20 टीम में जगह मिलनी चाहिए। एशिया कप में 21 दिनों में अगर कोई फाइनल तक खेलता है तो छह टी20 मैच होंगे और यह काम का अधिक बोझ नहीं है, लेकिन एशिया कप के लिए 17 सदस्यीय टीम को चुनने की अनुमति मिलने के बाद चयनकर्ता सभी विकल्पों पर सावधानी से विचार करेंगे।

बुमराह–सिराज की उपलब्धता बड़ा मुद्दा

एशिया कप का आयोजन यूएई में होना है और वहां की पिचों को और इसके छह महीने बाद होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए यशस्वी, गिल और सुदर्शन तार्किक रूप से शीर्ष क्रम के अहम खिलाड़ी हो सकते हैं। 2023 में वनडे डेब्यू करने वाले सुदर्शन टी20 में शानदार फॉर्म में दिखे हैं। हालांकि सबसे बड़ा मुद्दा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की उपलब्धता है। दोनों गेंदबाजों को विभिन्न प्रारूपों के काम के बोझ के बाद सावधानीपूर्वक प्रबंधित किया गया है और चयन बैठक से पहले उनके फिटनेस आकलन से गुजरने की उम्मीद है।

इंग्लैंड में शानदार प्रदर्शन का सिराज को हुआ फायदा, करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंचे

दुबई। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन का फायदा हुआ है और वह आईसीसी की नवीनतम टेस्ट रैंकिंग में करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। सिराज ने पांचवें टेस्ट मैच में दमदार प्रदर्शन किया था जिससे वह गेंदबाजों की रैंकिंग में 15वें स्थान पर पहुंच गए हैं। सिराज के दम पर ही भारत ने आखिरी टेस्ट मैच छह रन से जीता था जिससे भारत सीरीज 2–2 से ड्रॉ करने में सफल रहा था।

सिराज ने 12 स्थान की लगाई छलांग

सिराज ने पांचवें टेस्ट मैच में कुल नौ विकेट लिए थे जिससे वह 12 स्थान की उछाल के साथ 15वें नंबर पर पहुंच गए। इंग्लैंड को पांचवें टेस्ट मैच के आखिरी दिन मैच और सीरीज जीतने के लिए 35 रनों की जरूरत थी, जबकि भारत को सीरीज ड्रॉ कराने के लिए चार विकेट चाहिए थे। सिराज ने तब मोर्चा संभाला और तीन विकेट झटक कर इंग्लैंड को जीत हासिल करने से रोका। सिराज के टेस्ट करियर की इससे पहले सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 16 थी जो उन्होंने इस साल जनवरी में हासिल की थी।

बुमराह शीर्ष पर बरकरार

कार्यभार प्रबंध के कारण सीरीज के तीन मैच खेलने वाले तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 889 अंकों के साथ रैंकिंग में शीर्ष पर मौजूद हैं। प्रसिद्ध कृष्णा भी करियर के सर्वश्रेष्ठ 59वें रैंकिंग पर पहुंच गए हैं।

यशस्वी की शीर्ष पांच में वापसी

वहीं, बल्लेबाजों में भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ओवल टेस्ट में शतक लगाने के कारण शीर्ष पांच में दोबारा शामिल हो गए हैं। यशस्वी ने तीन स्थान के सुधार के साथ पांचवें स्थान पर जगह बनाई। उनके अलावा एक अन्य बल्लेबाज जो शीर्ष 10 में शामिल हैं वो ऋषभ पंत हैं जो एक स्थान के नुकसान के साथ आठवें स्थान पर आ गए हैं। पंत चोट के कारण पांचवां टेस्ट मैच नहीं खेल सके थे।

इंग्लैंड के करिश्माई बल्लेबाज जो रूट शानदार प्रदर्शन के दम पर बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं, जबकि शतक लगाने वाले हैरी ब्रूक दूसरे स्थान पर आ गए हैं। गेंदबाजों में इंग्लैंड के तेज गेंदबाद गस एटकिंसन और जोश टंग भी करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। एटकिंसन पहली बार शीर्ष 10 में शामिल हुए हैं, जबकि टंग 14 स्थान के सुधार से 46वें स्थान पर आ गए हैं।

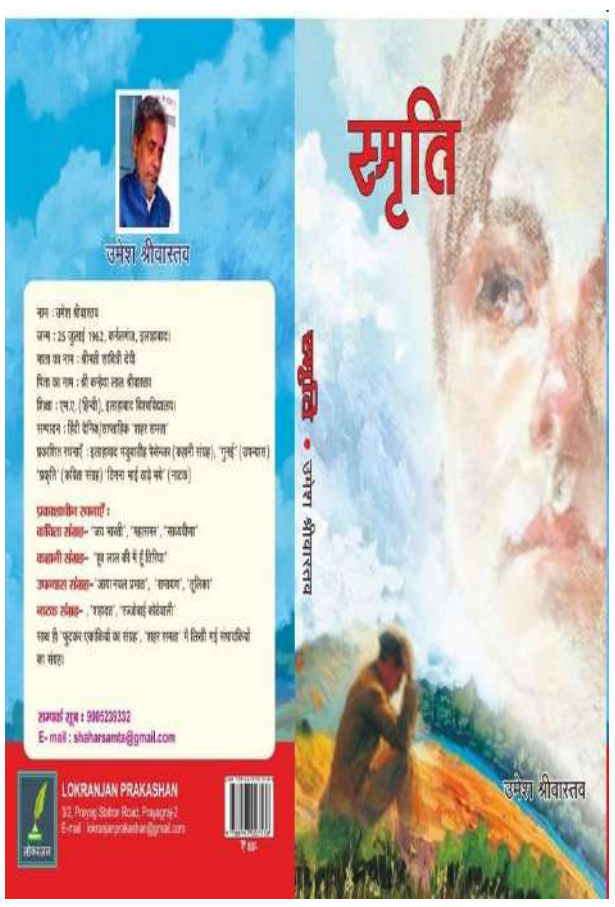

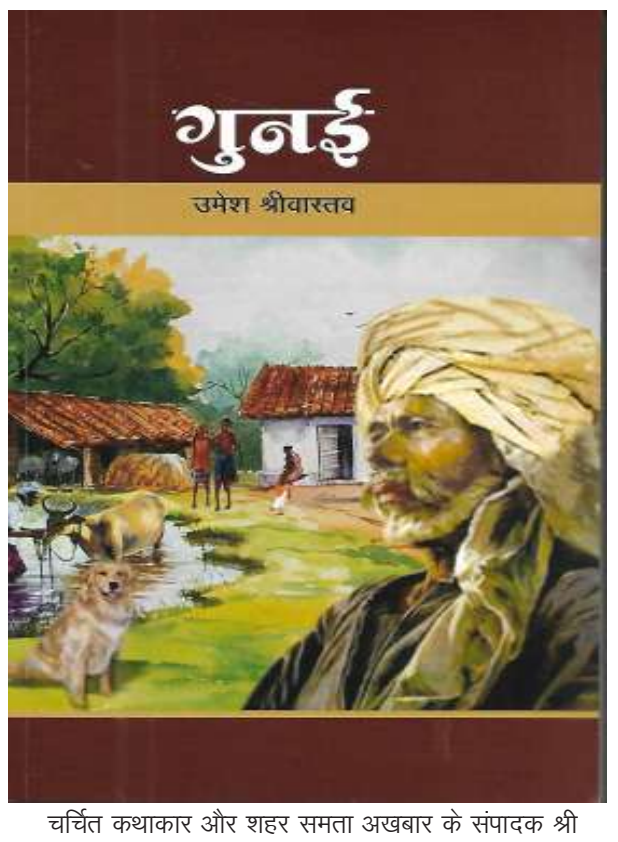

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

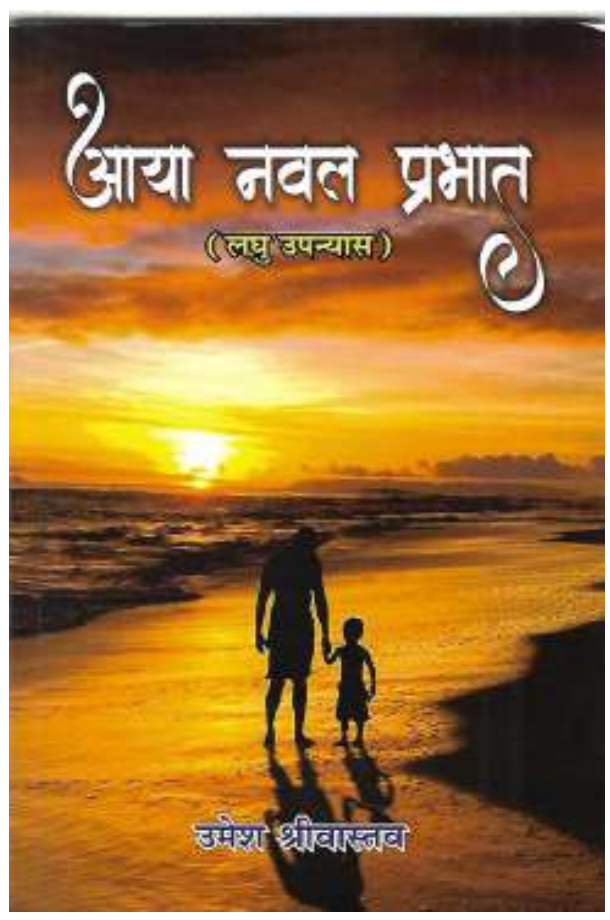

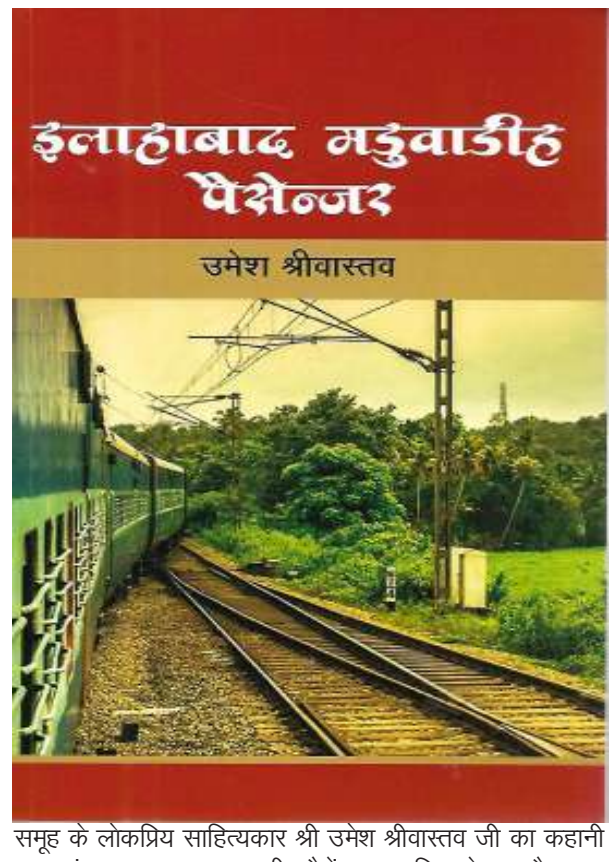

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

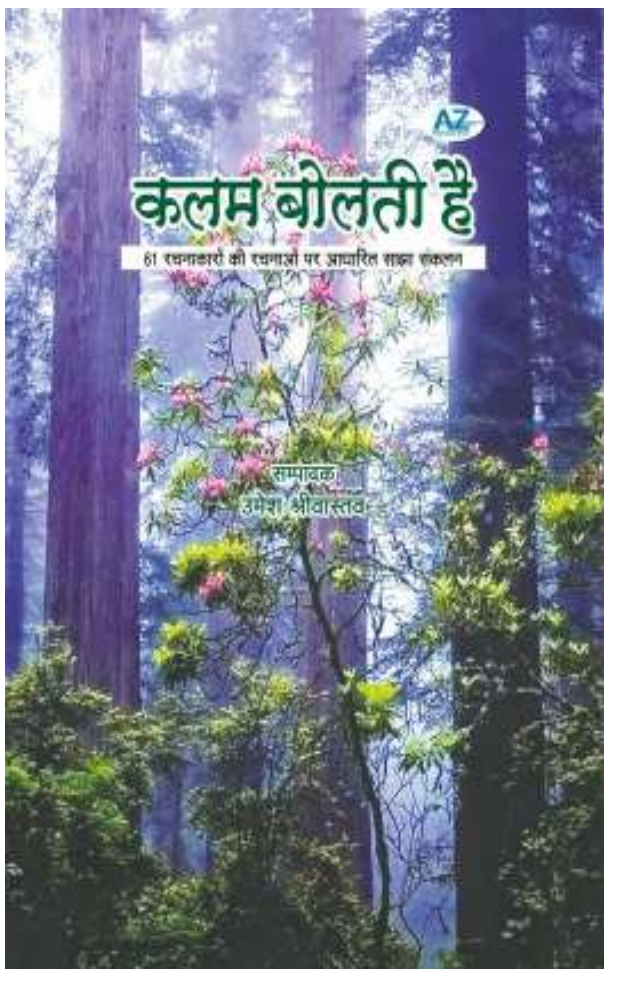

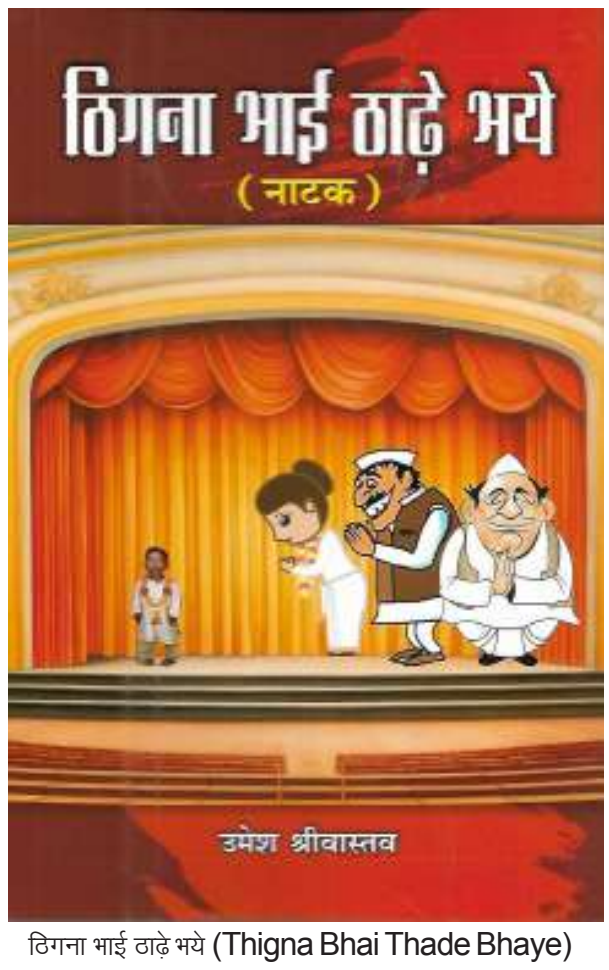

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

किर्गिज़स्तान में जोरदार भूकंप आया, रिक्टर स्केल पर 5.5 तीव्रता रही

किर्गिज़स्तान के जलाल–अबाद ओब्लास्ट के जलाल–अबाद के पास शाम को 5.5 तीव्रता का एक बहुत ही उथला भूकंप आया। यूरोपीय–भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र (ईएमएससी) के अनुसार, यह भूकंप मंगलवार, 5 अगस्त, 2025 को स्थानीय समयानुसार शाम 7:44 बजे 7 किलोमीटर की बहुत ही उथली गहराई पर आया। उथले भूकंप गहरे भूकंपों की तुलना में ज़्यादा तीव्रता से महसूस किए जाते हैं क्योंकि वे सतह के ज़्यादा करीब होते हैं। भूकंप की सटीक तीव्रता, केंद्र और गहराई अगले कुछ घंटों या मिनटों में संशोधित की जा सकती है क्योंकि भूकंपविज्ञानी आँकड़ों की समीक्षा और अपनी गणनाओं को परिष्कृत करेंगे, या अन्य एजेंसियाँ अपनी रिपोर्ट जारी करेंगी। प्रारंभिक भूकंपीय आंकड़ों के आधार पर, भूकंप का झटका संभवतः उपरिकेंद्र क्षेत्र में कई लोगों ने महसूस किया होगा। अलमारियों से गिरती वस्तुओं, टूटी खिड़कियों आदि के अलावा, इससे कोई खास नुकसान नहीं हुआ होगा। भूकंप के केंद्र से 26 किमी दूर स्थित मैसी (जनसंख्या 19,800), 30 किमी दूर स्थित बाज़ार–कोर्गोन (जनसंख्या 41,000), 31 किमी दूर स्थित कोचकोर–अता (जनसंख्या 17,200), 35 किमी दूर स्थित ताश–कुमिर (जनसंख्या 23,600), 50 किमी दूर स्थित सुज़ाक (जनसंख्या 30,500), 51 किमी दूर स्थित जलाल–अबाद (जनसंख्या 123,200), और 70 किमी दूर स्थित टोकतोगुल (जनसंख्या 20,600) में भूकंप हल्के झटकों के रूप में महसूस किया जाना चाहिए था। भूकंप के केंद्र से 86 किलोमीटर दूर स्थित ओश (जनसंख्या 322,200) में हल्के झटके महसूस किए गए होंगे। अगर भूकंप की तीव्रता और गहराई में कोई बदलाव होता है, तो VolcanoDiscovery अपने आप अपडेट कर देगा और भूकंप से जुड़ी कोई और महत्वपूर्ण जानकारी मिलने पर तुरंत कार्रवाई करेगा। अगर आप उस क्षेत्र में हैं, तो कृपया हमें अपनी रिपोर्टिंग प्रणाली के ज़रिए, ऑनलाइन या हमारे मोबाइल ऐप के ज़रिए, अपना अनुभव भेजें। इससे हमें दुनिया भर में इस भूकंप के बारे में और जानने के इच्छुक लोगों को पहले से ज़्यादा अपडेट देने में मदद मिलेगी।

उत्तरी एरिजोना के नवाजो नेशन में विमान दुर्घटना में चार लोगों की मौत

अमेरिका के उत्तरी एरिजोना के नवाजो नेशन में मंगलवार को एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने और फिर उसमें आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने एक बयान में यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार, यह चिकित्सीय परिवहन विमान था जिसमें बीमार, घायल या जरूरतमंद मरीजों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जाता था। न्यू मेक्सिको के अल्बुर्क की सीएसआई विमानन कंपनी से संबंधित यह विमान चिनले के हवाई अड्डे के समीप दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस विमान में चिकित्साकर्मी सवार थे और वे एक मरीज को लेने अस्पताल जा रहे थे। संघीय विमानन प्रशासन के अधिकारियों ने एक ईमेल में बताया कि विमान दोपहर में हवाई अड्डे पर उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

कश्मीर मुद्दा भारत-पाक के बीच तनाव का मुख्य कारण : प्रधानमंत्री शरीफ

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को कहा कि कश्मीर मुद्दा भारत के साथ तनाव का मुख्य कारण है। उन्होंने जम्मू–कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने के नयी दिल्ली के फैसले की आलोचना की। भारत सरकार ने पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया था और पूर्ववर्ती जम्मू–कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू–कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया था।

हे भगवान, हमने ये क्या कर दिया...जब आसमान से अमेरिका ने जापान पर गिराया था मौत का साामन, पायलटों का ऐसा था रिएक्शन

आज से ठीक 80 साल पहले यानी की 06 अगस्त 1945 को जापान के हिरोशिमा शहर पर अमेरिका द्वारा गिराया परमाणु बम गिराया गया था। इस परमाणु बम का नाम शलिटिल बॉयश था। बता दें कि यह मानव इतिहास की सबसे विनाशकारी घटनाओं में से एक था। सुबह के समय हुए हमले ने कुछ ही पलों में हिरोशिमा को मलबे के ढेर में बदल दिया था। बताया जाता है कि इस हमले में करीब 1, 40,000 लोग मारे गए थे। वहीं जो लोग इस घटना के बाद बच गए थे, वह रेडिएशन के दीर्घकालिक दुष्प्रभावों से पीड़ित रहे। 06 अगस्त को हुई इस त्रासदी ने परमाणु हथियारों की भयावहता को उजागर किया और युद्ध के विनाशकारी परिणामों से विश्व को अवगत कराया।

अमेरिका ने हिरोशिमा और नागासाकी पर कैसे की बमबारी

6 अगस्त, 1945 को हिरोशिमा परमाणु बम हमले का गवाह बनने वाला पहला शहर बना। एनोला गे नामक एक अमेरिकी बी–29 बमवर्षक विमान ने सुबह लगभग 8रू15 बजे जापानी शहर पर 9,700 पाउंड का एक अति–गोपनीय बम गिराया। बम के विस्फोट से सूर्य जितना तापमान बढ़ गया और पूरा शहर तबाह हो गया। हिरोशिमा की 76,000 इमारतों में से लगभग 90 प्रतिशत क्षतिग्रस्त हो गईं, जल गईं या मलबे में तब्दील हो गईं। परमाणु बमबारी में अनुमानित 80,000 लोग मारे गए। बाद में विकिरण संबंधी बीमारियों और चोटों के कारण दसियों हज़ार लोगों के हताहत होने की सूचना मिली। ऐसा माना जाता है कि वर्ष के अंत तक कुल 1,40,000 लोग मारे गए। 9 अगस्त, 1945 को जापानी शहर नागासाकी पर एक और भी शक्तिशाली परमाणु बम गिरा। एक अमेरिकी ठ–29 बमवर्षक, बोक्सकार ने शहर पर ष्फैट मैनष नामक एक प्लूटोनियम बम गिराया, जिससे लगभग 40,000 लोग तुरंत मारे गए। बाद में, अन्य 40,000 लोग चोटों और विकिरण बीमारी से मर गए।

एनोला गे उड़ाने वाले पायलट

पॉल टिबेट्स ने एनोला गे उड़ाया था जिसने लिटिल बॉय को लगभग 3,50,000 की आबादी वाले शहर हिरोशिमा पर गिराया था। उन्होंने इस मिशन पर 12 लोगों के दल का नेतृत्व किया और बम ले जाने वाले ठ–29 विमान का नाम अपनी माँ के नाम पर रखा। अस्सी साल पहले, यह विमान गुआम के पास टिनियन स्थित अपने बेस से सुबह–सुबह उड़ान भरकर दक्षिणी जापान के हिरोशिमा के लिए रवाना हुआ था। टिनियन से लगभग 80 किलोमीटर दूर, नौसेना कप्तान विलियम ष्डीकष पार्सन्स और इलेक्ट्रॉनिक्स विशेषज्ञ मॉरिस जेप्सन, लिटिल बॉय को हथियार देने के लिए बम बे में चढ़ गए। द गार्जियन ने स्टीफन वॉकर की किताब ष्शॉकवेवरू काउंटडाउन टू हिरोशिमाष के एक अंश का हवाला देते हुए बताया कि इस प्रक्रिया में बम के ब्रीच प्लग में कॉर्डाइट, एक प्रकार का बारूद, के चार बैग डालने पड़े।

किन देशों के पास परमाणु हथियार हैं?

दुनिया में वर्तमान में नौ देश हैं जिनके पास परमाणु हथियार हैंरू संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इज़राइल। इनमें से, रूस के पास सबसे बड़ा भंडार है, जिसके पास अनुमानित 5,580 परमाणु हथियार हैं, उसके बाद संयुक्त राज्य अमेरिका के पास 5,044 परमाणु हथियार हैं। इन दोनों देशों के पास कुल मिलाकर दुनिया के कुल परमाणु शस्त्रागार का लगभग 90: हिस्सा है, जो वैश्विक स्तर पर अनुमानित 12,121 परमाणु हथियार है।

अधिकांश देशों को परमाणु हथियार बनाने से क्या रोकता है?

कई देश मुख्यतः अंतर्राष्ट्रीय समझौतों, विशेष रूप से परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) के कारण परमाणु हथियार विकसित करने से बचते हैं। यहाँ तक कि जर्मनी, जापान, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया जैसे शक्तिशाली और तकनीकी रूप से उन्नत देशों ने भी परमाणु हथियार विकसित न करने का विकल्प चुना है। 1968 में स्थापित और 1970 में लागू एनपीटी, परमाणु युद्ध के खतरे को कम करने के लिए बनाया गया था। अब तक, 190 देश इस संधि के पक्षकार बन चुके हैं। इसका मुख्य लक्ष्य परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकना, परमाणु परीक्षणों को हतोत्साहित करना और निरस्त्रीकरण को बढ़ावा देना है। इस संधि के तहत, केवल पाँच देशों, अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और चीन को आधिकारिक तौर पर परमाणु–हथियार संपन्न राष्ट्रों के रूप में मान्यता प्राप्त है, क्योंकि उन्होंने संधि के लागू होने से पहले परमाणु उपकरणों का परीक्षण किया था। अन्य देशों को ऐसे हथियार विकसित करने या प्राप्त करने से प्रतिबंधित किया गया है, जिससे एनपीटी वैश्विक परमाणु संयम की आधारशिला बन गई है।

आपकी जगह मोदी को फोन कर लूंगा...ब्राजील के राष्ट्रपति लूला ने ट्रंप को दिया टका सा जवाब

ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा ने मंगलवार (स्थानीय समय) को टैरिफ पर चर्चा के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की षकिसी भी समय कॉल करनेष की पेशकश को अस्वीकार कर दिया, और कहा कि वह इसके बजाय भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के शी जिनपिंग को कॉल करना पसंद करेंगे। हालांकि, लूला ने अपने रूसी समकक्ष राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फोन करने से इनकार कर दिया क्योंकि वह अभी यात्रा नहीं कर सकते हैं। लूला ने ब्रासीलिया में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि मैं ट्रंप को किसी भी बातचीत के लिए फ़ोन नहीं करने वाला, क्योंकि वह बात नहीं करना चाहते। लेकिन निश्चिंत रहो, मरीना, मैं ट्रंप को सीओपी में आमंत्रित करने के लिए फ़ोन करूँगा, क्योंकि मैं जानना चाहता हूँ कि जलवायु मुद्दे पर उनकी क्या राय है। मैं फ़ोन करने का शिष्टाचार दिखाऊँगा, मैं उन्हें फ़ोन करूँगा, मैं शी जिनपिंग को फ़ोन करूँगा, मैं प्रधानमंत्री मोदी को फ़ोन करूँगा, मैं फ़ोन करूँगा। भारत, चीन, रूस और ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका के साथ, ब्रिक्स के सदस्य हैं, एक ऐसा गठबंधन जिसके बारे में संयुक्त राज्य अमेरिका ने बार–बार दावा किया है कि यह वाशिंगटन के हितों

के खिलाफ काम कर रहा है और उसने टैरिफ लगाने की धमकी दी है। पिछले हफ़्ते, ट्रंप ने कहा था कि लूला दोनों देशों के बीच टैरिफ़ और अन्य विवादों पर चर्चा के लिए उन्हें किसी भी समय फ़ोन कर सकते हैं। व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा था, वह जब चाहें मुझसे बात कर सकते हैं। ब्राज़ील के वित्त मंत्री फ़र्नांडो हद्दाद ने अमेरिकी राष्ट्रपति की टिप्पणी का स्वागत किया और कहा कि लूला भी ऐसा ही महसूस करते हैं। ट्रम्प द्वारा ब्राज़ीलियाई उत्पादों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद अमेरिका और ब्राज़ील के बीच तनाव बढ़ गया। इस बार ट्रम्प का यह कदम पूरी तरह से राजनीतिक है और इसका निशाना ब्राज़ील के सुप्रीम कोर्ट में पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के खिलाफ चल रहा मुकदमा है। जायर बोल्सोनारो उनके एक सहयोगी हैं, जिन पर 2022 के चुनाव में उनकी हार को पलटने की कोशिश में कथित भूमिका निभाने का आरोप लगाया गया था। स्थानीय कानूनों का पालन न करने वाली अमेरिकी सोशल मीडिया कंपनियों पर अदालत द्वारा चलाए गए मुकदमे का भी ट्रम्प ने एक सार्वजनिक पत्र में ब्राज़ील के व्यापार शुल्क बढ़ाने के एक कारण के रूप में उल्लेख किया था। अमेरिकी जनगणना ब्यूरो ने कहा कि पिछले साल ब्राज़ील के साथ ब्राज़ील का 6.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर का व्यापार अधिशेष था।

ब्राज़ील के निर्यातकों, उनके प्रतिनिधि निकायों और राजनेताओं – जिनमें से कई बोल्सोनारो के मित्र हैं – ने ट्रम्प की कड़ी आलोचना की है और लूला से बातचीत करने का आग्रह किया है, कॉफ़ी, बीफ़ और संतरे के जूस संघों ने भी देश के बचाव में एकजुटता दिखाई है।

भारत को टैरिफ की धमकी दे रहे थे ट्रंप, तभी हुई सिडनी स्वीनी की चर्चा, हो गए आउट ऑफ कंट्रोल

अभी कुछ दिन पहले की ही बात है ट्रंप अपनी प्रेस सेक्रेटरी की तारीफों के पुल बांध रहे थे और उन्हें मशीनगन बता रहे थे। वही ट्रंप अब सिडनी के दीवाने बन गए हैं। सिडनी का मतलब ऑस्ट्रेलिया का खूबसूरत शहर नहीं है। सिडनी एक एक्ट्रेस हैं। भारत के साथ टैरिफ वाली टेंशन के बीच सिडनी स्वीनी का एक जेनिम जींस वाला विज्ञापन वायरल हुआ। ट्रंप सारा टेंशन भूल सिडनी के मुरीद हो गए। जब से ट्रंप को पता लगा कि सिडनी एक रजिस्ट्रर्ड रिपब्लिकन हैं। वो उन्हें शानदार कररा दे चुके हैं। सोमवार को जहां एक तरफ ट्रंप भारत को टैरिफ वाली धमकी दे रहे थे तो दूसरी तरफ वो मीडिया से कह रहे थे कि अगर सिडनी स्वीनी रिपब्लिकन हैं तो मुझे लगता है कि उनका विज्ञापन शानदार है। इससे पहले एक टीवी इंटरव्यू में ट्रंप ने अपनी प्रेस सेक्रेटरी केरोलीन लैविट की तारीफों के पुल बांधे। वो एक स्टार बन चुकी है। ट्रंप ने कहा कि उनका चेहरा उनका दिमाग, उनके होंठ और जिस तरह वह बोलती है। उनके होंठ ऐसे चलते हैं जैसे वह कोई मशीन गन हो। मुझे नहीं लगता कि किसी के पास लेविट से बेहतर प्रेस सचिव रहा है। कैरोलिन लेविट वहीं है जिन्होंने हाल ही में ट्रंप के नोबेल पुरस्कार दिए जाने की वकालत मीडिया के सामने खुले तौर पर की थी। अब नोबेल पुरस्कार के लिए डेस्परेट ट्रंप को लगता है मानो उनका ये अंदाज पसंद आया।

ट्रंप के ये बयान सोशल मीडिया में बवाल मचा रहे हैं। कोई इसे नस्लवादी बताते हुए सवालों के घेरे में ले रहा है। कोई कह रहा है कि अगर वो रिपब्लिकन नहीं होती तो क्या कम अमेरिकन हो जाती। क्या अमेरिकन होना रिपब्लिकन होने से कम अहम बात है।

दरअसल, पूरा मामला अमेरिकन ईगल 23 जुलाई को एक एड रिलीज किया। इस विज्ञापन की टैग लाइन शसिडनी स्विनी की जींस काफी अच्छी हैश।

इसमें शब्दों से खेलते हुए जींस और जीन में संबंध दिखाया गया था। एड वीडियो में कहा गया था कि जीन माता पिता से संतानों में आते हैं, जो अक्सर बालों के रंग, व्यक्तित्व और यहां तक की आंखों के रंग जैसे गुणों को तय करते हैं।

मेरी जींस नीली है। इसके बाद विज्ञापन में कहा गया ब्लोंड बाल, नीली आंखों वाली स्वीनी के जींस महान हैं। 27 साल की हॉलीवुड एक्ट्रेस और मॉडल सिडनी स्वीनी से जुड़े इस विज्ञापन पर जब बवाल हुआ तो कंपनी ने सफाई में ये कहा कि उनके विज्ञापन में जींस की बात की जा रही है न कि जेनेटिक की।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227